www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 137 || लखनऊ
सोमवार
17 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:38
सूर्यास्तः 06:41
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 27°00



पेज 07

विशेष समाचार | विकसित भारत की असली ... >>पेज 04 | डंपर ने मां-बेटे सहित 3 को ... >>पेज 06 | प्रेग्नेंट दीपिका को एयरपोर्ट छोड़ने ...

लखनऊ में अटल स्मृति संध्या, कवि के लिए पानी की बोतल देकर दौड़े डिप्टी सीएम

सहज-सरल, लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व प्रधानमंत्री :सीएम

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को लखनऊ में अटल स्मृति संध्या का आयोजन हुआ। पं. अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से KGMU स्थित अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और अटल वाणी ई-बुक का विमोचन किया। पद्मश्री व प्रख्यात कवि-साहित्यकार प्रो. अशोक चक्रधर ने एकल काव्य पाठ किया। कविता पढ़ते समय कवि ने पानी मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोतल लेकर दौड़े और उनके पास पहुंचकर उन्हें पानी पिलाया। इससे पहले रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन स्थित पं. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अटलजी के छह दशक लंबे सार्वजनिक जीवन को निर्विवाद और निष्कलंक बताते हुए उनके राष्ट्र प्रथम के संकल्प को याद किया। उन्होंने कहा कि अटलजी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। उनका करीब छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। उन्होंने हमेशा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना के साथ काम किया। वे सहज-सरल थे, लेकिन इरादों में अटल थे कवि अशोक चक्रधर ने काव्य पाठ किया।



> सीएम योगी ने कहा कि अटल जी तीन बार प्रधानमंत्री रहे, लेकिन उनके ऊपर कभी कोई आरोप नहीं लगा। कारगिल युद्ध के समय लोग कहते थे कि एक कवि और नरम हृदय वाला व्यक्ति युद्ध कैसे लड़ सकता है, लेकिन अटल जी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को खदेड़ दिया था।

कांग्रेस के राष्ट्र प्रेम पर संदेह होता है: योगी

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र के मुद्दे पर अटल जी ने हमेशा बिना लाग-लपेट के भारत के साथ खड़े रहे। ऑपरेशन सिंदूर के समय कांग्रेस ने प्रश्न चिह्न खड़े किए, जिसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रेम पर भी संदेह होता है।

सीएम बोले- कारगिल में दुनिया ने देखा अटलजी का दृढ़संकल्प

सीएम योगी ने कहा कि अटलजी जितने सहज और सरल थे, उनके इरादे उतने ही अटल थे। कारगिल संघर्ष के दौरान पूरी दुनिया ने उनके दृढ़संकल्प को देखा। उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित करने का साहसिक निर्णय लिया और देश की सुरक्षा को नई मजबूती दी।

> योगी ने कहा कि 1962, 1965 और 1971 के युद्ध के दौरान अटलजी ने सरकार को कटघरे में खड़ा करने के बजाय एक जिम्मेदार सांसद के रूप में सरकार के साथ खड़े होकर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती दी। 1998 के बीच एनडीए के गठन के जरिए अटलजी ने गठबंधन की राजनीति में स्थिरता और सुशासन का रास्ता दिखाया।

पानी की बोतल लेकर दौड़े डिप्टी सीएम

कवि अशोक चक्रधर ने कविता पढ़ने के दौरान पानी मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तुरंत बोतल लेकर दौड़ते हुए उनके पास पहुंचे और उन्हें पानी पिलाया।





अटल जी ने कराया था कवि सम्मेलन: अशोक चक्रधर

कवि अशोक चक्रधर ने कहा कि अटल जी ने प्रधानमंत्री रहते हुए एक कवि सम्मेलन का आयोजन कराया था। इसमें मौजूदा और पूर्व प्रधानमंत्री समेत कुल छह प्रधानमंत्री शामिल हुए थे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य कार्यक्रम में शामिल हुए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। कवि अशोक चक्रधर ने कविता पढ़ने के दौरान पानी मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तुरंत बोतल लेकर दौड़ते हुए उनके पास पहुंचे और उन्हें पानी पिलाया।





सोनिया ने वंदे मातरम् का अपमान किया : वंशज

कोलकाता/नई दिल्ली। बंगाल के नैहाटी से BJP विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने वंदेमातरम् के अपमान पर सोनिया गांधी से बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। दरअसल, सोनिया ने स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् को रुकवाने का इशारा किया था। इसका वीडियो सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया है। चटर्जी का दावा है कि सोनिया ने वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाने को लेकर असहजता दिखाई और इसे रोकने की बार-बार कोशिश की। BJP विधायक चटर्जी ने सोनिया गांधी के नाम एक लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने खुद को आम नागरिक, देशभक्त और बंकिमचंद्र का सीधा वंशज बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना के कारण उन्हें गहरा दर्द है। उन्हें गुस्सा आ रहा है।

पीएम ने विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं कहा : किरेन रिजिजू

इस लिस्ट में माओवादी समर्थक, संविधान न मानने वाले, चिदंबरम बोले- मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी की 'दिमागी नक्सल' वाली टिप्पणी पर विपक्षी दलों की आलोचना का जवाब दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं कहा था। रिजिजू ने पोस्ट में लिखा कि दिमागी नक्सल उन लोगों को कहा गया है, जो माओवादियों के समर्थक है, भारतीय संविधान को नहीं मानते, और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। इससे पहले कांग्रेस के सीनियर लीडर पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सली' बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, "मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।" 15 अगस्त को लाल किले से संबोधन के दौरान पीएम ने कहा था कि देश को दिमागी नक्सलियों से बचना चाहिए और ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग कर देना चाहिए। कांग्रेस ने मोदी के बयान पर कहा कि दिमागी नक्सल खोखला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पहले जाति जनगणना की मांग को अर्बन नक्सल सोच बताकर खारिज किया गया था, लेकिन एक साल पहले जाति आधारित जनगणना की घोषणा कर दी गई। उन्होंने कहा कि पहले विरोधियों की मांगों को अपमानजनक नाम दिए जाते हैं, फिर बाद में उन्हीं मांगों को मान लिया जाता है।

सरकार के खिलाफ खड़े होने वालों की तारीफ हो : राहुल

कहा- छात्रों के साथ बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा हुई

- राहुन ने 5 अगस्त को 6 जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों से बातचीत की थी।
- राहुल ने एक्स पर वीडियो शेयर किया। उनके साथ 6 प्रदर्शनकारी बैठे थे।

तमसा संकेत, एजेंसी





नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए।

> वीडियो में राहुल ने प्रदर्शनाकरियों से पूछ कि हैरेसमेंट तो नहीं हो रहा आप लोगों का? इसपर जवाब देते हुए एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हां सर हो रहा है। रोज 10-12 गालिया आ जाती हैं। वहीं, एक दूसरी प्रदर्शनकारी ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए लोग थ्रेट्स भेजते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

मोहाली में विदेशी युवती से गैंगरेप, देह व्यापार कराया

लुधियाना। युगांडा से मेडिकल वीजा पर आई युवती से चंडीगढ़ में 3 युवकों ने फ्रेंडशिप की। इसके बाद उसे रहने के लिए अपने साथ मोहाली ले गए। वहां लस्सी में निकोटिन का नशा पिलाकर उसका गैंगरेप किया। यही नहीं, उससे देह व्यापार तक कराने लगे। उसने विरोध किया तो हाथ-पैर बांधकर उसे पीटा गया। इसका खुलासा तब हुआ।

पंजाब- किसानों का खनौरी बॉर्डर पर पक्के मोर्चे का ऐलान

लुधियाना। पंजाब से दिल्ली जा रहे 55 किसानों को खनौरी-दाता सिंहवाला बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस ने रोक दिया है। इसके बाद किसानों की जींद DC वैशाली शर्मा के साथ दो बार मीटिंग हुई। हालांकि, इसमें कोई हल नहीं निकला। इसके बाद किसानों ने पक्के मोर्चे का ऐलान कर दिया। किसान पंजाब की साइड धरने पर बैठ गए हैं। हरियाणा पुलिस ने बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, कंटीली तार, कंक्रीट ब्लॉक और कंटेनर लगाकर रास्ता बंद किया हुआ है। भारी पुलिस बल तैनात है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में 55 किसान रवाना हुए हैं। इससे पहले जत्थे ने 2024 के किसान आंदोलन के दौरान शुभकरण सिंह की मौत वाले स्थान से मिट्टी उठाई।

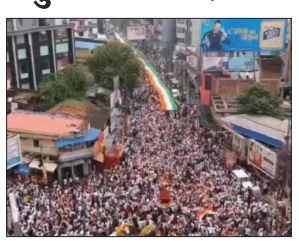
सुखबीर बादल गुरुग्राम मेदांता से डिस्चार्ज

लुधियाना। पंजाब के पूर्व डिप्टी CM एवं शिरोमणि अकाली दल (SAD) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड में गुरुद्वारा माता साहिब में हमले के बाद 14 अगस्त को सुखबीर सिंह बादल को मेदांता अस्पताल लाया गया था। इस बीच उनके बाजू पर लगे टांकों की पहली तस्वीर सामने आई है।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा रद्द करने की मांग पर छात्रों का आंदोलन 23वें दिन भी जारी

मौत

राहुल गांधी और हेमंत सोरेन का पुतला फूंकेंगे छात्र



तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। JPSC-JSSC परीक्षा रद्द करने और पूरे मामले की CBI जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन रविवार को 23वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर धरना और भूख हड़ताल कर रहे आंदोलनकारी छात्रों ने अब सरकार और कांग्रेस के खिलाफ अपना विरोध और तेज करने का फैसला किया है। छात्र नेताओं ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन करने की घोषणा की है। रविंद्र पासवान के मुताबिक, जब छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था, उस समय राहुल गांधी ने फोन के माध्यम से छात्रों को आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा था कि यदि 15 अगस्त तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों की मांगों को लेकर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाते हैं और उचित जवाब नहीं देते हैं, तो कांग्रेस झारखंड सरकार से अपना समर्थन वापस लेने पर विचार करेगी। छात्र नेताओं का आरोप है कि 15 अगस्त की समयसीमा बीत चुकी है, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। छात्रों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> छात्र नेता रविंद्र पासवान ने बताया कि आंदोलनकारी छात्र रविवार को दोनों नेताओं का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कर-एंगे। छात्रों का कहना है कि उन्हें सरकार की ओर से अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस और सकारात्मक पहल दिखाई नहीं दी है। इसी नाराजगी के चलते आंदोलन को और व्यापक करने का निर्णय लिया गया है।

सुसाइड नोट में लिखा- पार्टी के गलत कामों को रोक नहीं सका

पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी का फंदे से लटका मिला शव

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह बीरभूम जिले के टीएमसी ऑफिस में उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला। आशीष बनर्जी रामपुरहाट के वार्ड नंबर-5 के हत्तलापारा इलाके में रहते थे। उनके घर के पास ही तृणमूल कांग्रेस का पार्टी ऑफिस था।

>> (शेष पेज 06 पर)

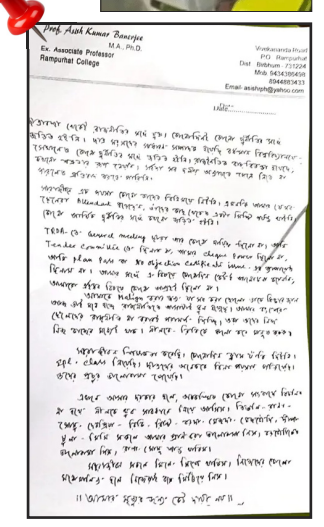
आशीष ने एक दिन पहले घर के पास तिरंगा फिहराया था

आशीष बनर्जी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शनिवार को बीरभूम में घर के पास तिरंगा फहराया था। इस कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर शेयर की थीं। आशीष बनर्जी के भाई प्रशांत बनर्जी ने कहा- दरवाजे में थोड़ी जगह थी।



सुसाइड नोट में रेत टेंडर का जिक्र, लिखा- कोई पैसे नहीं लिए

आशीष का जो सुसाइड नोट सामने आया है उसमें उन्होंने किसी रेत के टेंडर का जिक्र किया है। आशीष ने लिखा कि उन्होंने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया और किसी काम के बदले पैसे नहीं लिए। TRDA (तारापीठ-रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के टेंडर, प्लान पास करने, NOC और चेक से जुड़े मामलों में उनकी कोई भूमिका नहीं है। आशीष ने लिखा कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस जताया।



अभियान : दीपके बोले- सरकारी स्कूल की बदहाली दिखाने पर हमला, इंसाफ दिलाने तक चुप नहीं बैठेंगे

सीजेपी कार्यकर्ता के पिता की पिटाई से मौत

- हमले के पीड़ित मफीक के बनाए वीडियो को दीपके ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया।
- दीपके ने महाराष्ट्र के हिंगोली में 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की।

तमसा संकेत, एजेंसी



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब मफीक की 15 अगस्त को हमले में लगी गंभीर चोटों से मौत हो गई। CJP के मुताबिक, मफीक 13 अगस्त को अपने गांव करिसुंडा के सरकारी स्कूल में CJP के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल हुए थे। उन्होंने स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाया था। उसी शाम हथियारबंद लोगों ने उनके घर में घुसकर उन्हें पीटा। CJP का कहना है कि हमलावरों ने उनसे माफी मांगते हुए वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा। इनकार करने पर परिवार पर हमला किया गया। इसमें हफीज और उनके पिता के सिर में गंभीर चोट आई।

शुभेंदु ने कहा एफआईआर में भाजपा कार्यकर्ता का नाम नहीं

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि घटना को लेकर दर्ज FIR में यह नहीं कहा गया है कि हमलावर बीजेपी कार्यकर्ता थे। उन्होंने आगे कहा, "पांच में से तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका हैं। जांच जारी है। बाकी दो को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके घर के बाहर होमगार्ड तैनात किए गए हैं। सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। मुझे जानकारी मिली है कि पांच और लोगों को हिरासत में लिया गया है।"



भाजपा कार्यकर्ताओं पर हत्या का आरोप

अब्दुल हफीज ने कहा कि स्थानीय बीजेपी नेताओं के जानलेवा हमले के डेढ़ दिन बाद शनिवार को उनके पिता की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त की रात करीब 8 बजे कुछ लोगों ने घर पहुंचकर उन्हें घेर लिया और बुजुर्ग पिता के साथ मारपीट की। हमलावरों ने फोन छीनकर स्कूल व जंतर-मंतर पर बनाए गए वीडियो जबरन डिलीट करवा दिए।

> हफीज ने कहा कि धारदार हथियारों से हमला किया गया। अस्पताल और थाने जाने पर भी हमलावरों ने घेराव किया और भविष्य में ऐसे वीडियो बनाने पर जान से मारने की धमकी दी।

बंगाल में कांग्रेस नेता की हत्या, बेटे को भी मारा

हमलावरों ने पहले कार रोककर गोलियां चलाईं

फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में स्वतंत्रता दिवस की रात कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या कर दी गई। घटना बेथुआडहरी रेलगेट के पास हुई। शनिवार रात अनीसुर अपने बेटे के साथ कार से घर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोककर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद कार का गेट खोलकर दोनों पर धारदार हथियारों से हमला किया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अनीसुर रहमान प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य और नादिया जिला कांग्रेस के महासचिव थे। जबकि उनका बेटा अबू सुफियान कल्याणी से एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था।

- अनीसुर रहमान के सिर और सीने में गोलियां लगीं।
- हत्या की खबर मिलने के बाद परिजनों ने हॉस्पिटल के बाहर राजनीति रंजिश का आरोप लगाया।

>> (शेष पेज 06 पर)

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

बच्चों के मन में गो माता के प्रति प्रेम बढ़ाने के लिए गांव गांव चलेगा अभियान, गांव-गांव तैयार होंगे 10 हजार 'गो मित्र'

गो संरक्षण में अब जेन जी की एंट्री

प्रशिक्षण

- तैयार किए जाएंगे मास्टर ट्रेनर, देंगे अन्य ट्रेनर को प्रशिक्षण
- गो संरक्षण में रुचि रखने वालों को दी जाएगी वरीयता

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। योगी सरकार की प्रदेश में गो संरक्षण अभियान से अब नई पीढ़ी, खासकर जेन जी को भी जोड़ने की तैयारी है। गांव-गांव अभियान चलाकर युवाओं को गोवंश के संरक्षण, गो सेवा और इसके सामाजिक-आर्थिक महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए करीब 10 हजार 'गो मित्र' तैयार किए जाएंगे। पहले मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित होंगे और फिर उनके माध्यम से अन्य लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। गो संरक्षण और गो सेवा में पहले से रुचि रखने वाले लोगों को इसमें वरीयता दी जाएगी। इसके साथ ही योगी सरकार गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती, महिला सशक्तीकरण, हरित ऊर्जा और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता का मॉडल विकसित करने पर काम कर रही है। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गो संरक्षण को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल किया है। सरकार का प्रयास है कि गोवंश का संरक्षण केवल गो आश्रय स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि इससे रोजगार और ग्रामीण समृद्धि के नए अवसर भी पैदा हों। इसी सोच के तहत गोशालाओं को गोबर और गोमूत्र आधारित उत्पादों, प्राकृतिक खेती, बायोगैस और अन्य आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

योगी सरकार नई पीढ़ी को बनाएगी गो संरक्षण के प्रति सजग

7,500 से अधिक गो आश्रय स्थलों में 12 लाख से ज्यादा गोवंश

उत्तर प्रदेश में निराश्रित गोवंश के संरक्षण और भरण-पोषण के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में साढ़े सात हजार से अधिक गो आश्रय स्थल विकसित किए गए हैं, जिनमें 12 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। किसानों की फसलों को निराश्रित पशुओं से होने वाले नुकसान को कम करने के साथ गोवंश को सुरक्षित आश्रय देना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। योगी सरकार ने गोवंश के भरण-पोषण के लिए दी जाने वाली सहायता राशि में भी वृद्धि की है। प्रति गोवंश प्रतिदिन मिलने वाली राशि को 30 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये किया गया है। वहीं अधिकांश गो आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी की गई है।

गोवंश संरक्षण में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सहभागिता योजना और पोषण मिशन को भी आगे बढ़ाया गया है।

बच्चों और युवाओं तक पहुंचेगा गो संरक्षण का संदेश

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि नई पहल में सबसे ज्यादा जोर बच्चों और युवाओं को गो संरक्षण से जोड़ने पर रहेगा। गांवों में अभियान चलाकर उन्हें देसी गोवंश, गो सेवा, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय के महत्व की जानकारी दी जाएगी। उद्देश्य यह है कि नई पीढ़ी गो संरक्षण के पर्यावरणीय और आर्थिक पहलुओं को भी समझे। अभियान को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने के लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे। ये मास्टर ट्रेनर आगे अन्य लोगों को प्रशिक्षण देंगे। इस व्यवस्था के जरिए गांव-गांव प्रशिक्षित लोगों का नेटवर्क खड़ा करने की तैयारी है। गो संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बंद मकानों में चोरी करने वाले 6 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी



- कार से घूमकर दिन में करते थे रेकी, जेवर खरीदने वाला ज्वेलर्स भी दबोचा गया

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में दिन के समय बंद मकानों की रेकी कर ताला तोड़कर चोरी करने वाले पांच आरोपियों को बादशाहखेड़ा नहर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में इनसे चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स का नाम सामने आया। इसके बाद चौक क्षेत्र स्थित वन टंच ज्वैलर्स से एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का माल और वारदात में इस्तेमाल वाहन बरामद किए हैं।

एडीसीपी अमोल मुरकुट ने बताया इंदिरानगर क्षेत्र में चार चोरी की घटनाएं हुई थी। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस टीमों को गिरोह के खुलासे के लिए लगाया गया था। 15 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि बादशाहखेड़ा नहर के किनारे बने ग्राउंड के पास चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ लोग मौजूद हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांच संदिग्धों को पकड़ा। उनकी पहचान अर्जुन पाण्डेय उर्फ ईशु पाण्डेय, मोहम्मद सिराज उर्फ राजू, बबलू उर्फ मनोज, अरविन्द यादव उर्फ धरविन्द्र यादव और अखिलेश कुमार गौतम के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने इंदिरानगर में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया।

नगर पालिका की सेवाएं होंगी डिजिटल और पारदर्शी, एक ही छत के नीचे मिलेंगी 18 से अधिक सेवाएं : नगर विकास मंत्री

मऊ में बनेगा प्रदेश का पांचवां आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज जनपद मऊ में नगर पालिका परिषद, मऊ में बनने वाले प्रदेश के पांचवें आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र का भूमिपूजन किया। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र करीब डेढ़ वर्ष में तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि नागरिक सुविधा केंद्र का उद्देश्य केवल भवन का निर्माण करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को नगर पालिका की सेवाएं सरल, पारदर्शी, डिजिटल और समयबद्ध तरीके से एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या, गाजियाबाद, गोरखपुर और लखनऊ के बाद मऊ में प्रदेश का पांचवां आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र बनाया जा रहा है। यह केंद्र मऊ के नागरिकों के लिए आधुनिक नगरीय सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का निरंतर प्रयास है कि शहरों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलें और उन्हें अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। ए.के. शर्मा ने बताया कि नागरिक सुविधा केंद्र को केवल सरकारी सेवाओं तक सीमित नहीं रखा जाएगा। भवन के निचले तल पर जनसुविधा केंद्र, लाइब्रेरी, खान-पान तथा योग से जुड़ी सुविधाएं भी विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि केंद्र ऐसा बनाया जाएगा, जहां नागरिक अपने सरकारी कार्यों के साथ-साथ अध्ययन, स्वास्थ्य और अन्य उपयोगी गतिविधियों के लिए भी समय बिता सकें।

लाइब्रेरी, योग, जनसुविधा और खान-पान की सुविधाओं से युक्त होगा मऊ का आधुनिक सेवा केंद्र

प्रधानमंत्री मोदी जी के सुशासन मॉडल से प्रेरणा लेकर जनता की सुविधा को बनाया जा रहा प्राथमिकता : मंत्री ए.के. शर्मा



केंद्र के प्रथम तल पर नागरिक सेवाओं के लिए लगभग 18 काउंटर बनाए जाएंगे

ए.के. शर्मा ने कहा कि नागरिक सुविधा केंद्र के माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा नगर पालिका की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित कार्य एक ही स्थान पर कराए जाएंगे। केंद्र के प्रथम तल पर नागरिक सेवाओं के लिए लगभग 18 काउंटर बनाए जाएंगे। यहां विभिन्न सेवाओं से संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र के पूर्ण रूप से तैयार होने के बाद इसे 'वन डे गवर्नेंस' की अवधारणा के अनुरूप विकसित किया जाएगा, ताकि नागरिकों को कम से कम समय में अधिक से अधिक सेवाएं मिल सकें।

आईपीएस आशुतोष मिश्रा की मां की लूट के बाद हत्या

अंबेडकरनगर में घर में मिला शव, मुंह से खून निकल रहा था



बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में रविवार दोपहर IPS आशुतोष मिश्रा की मां इंद्रावती की लूट के बाद हत्या कर दी ई। उनका शव घर के अंदर पड़ा मिला। शरीर से सोने के जेवर गायब थे। मुंह से खून निकल रहा था। परिजनों ने लूट के बाद हत्या करने की बात कही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या और लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला मालीपुर थाना क्षेत्र का है। रूढ़ा धमरूआ गांव निवासी इंद्रावती (95) के बेटे आशुतोष मिश्रा उत्तर प्रदेश पुलिस में एसपी (मुख्यालय) के पद पर तैनात हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद आशुतोष मिश्रा लखनऊ से गांव पहुंचे हैं। शव की स्थिति देखने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, इंद्रावती के गले से सोने की चेन, सोने के दानों वाली तुलसी की माला, नाक की कील और कान के टॉप्स गायब थे। पैरों में पहनी पायल भी नहीं मिली। इसके अलावा उनके मुंह से खून निकल रहा था। इन परिस्थितियों के आधार पर परिजनों ने हत्या के बाद जेवर लूटे जाने की आशंका जताई है। मालीपुर पुलिस को घटना की सूचना रविवार करीब एक बजे दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस बैरियर पर चढ़कर भाजपाइयों ने गाया वंदेमातरम

लखनऊ । लखनऊ में रविवार शाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। VVIP गेस्ट हाउस से निकलकर भाजपा कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया। पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से करीब 300 मीटर पहले सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। प्रदर्शन में शामिल भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा समेत अन्य कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और वंदे मातरम गाया। भाजपा कार्यकर्ता लगातार कांग्रेस कार्यालय की ओर जाने की मांग कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। रोहित मिश्रा ने कहा कि वंदे मातरम के सम्मान में भाजपा मैदान में है। किसी भी हाल में राष्ट्रीय गीत का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना बनी दिव्यांगजनों का मजबूत संबल

दिव्यांगजनों को डिजिटल सशक्त बना रही योगी सरकार

- ब्रेल किट और स्मार्ट केन से आसान हुआ दिव्यांगजनों का दैनिक जीवन
- जरूरत के मुताबिक ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर और अन्य उपकरण उपलब्ध
- 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले पात्र लाभार्थियों को मिल रहा लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और सुविधाजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बदलते समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजना को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है, जिसके तहत पात्र लाभार्थियों को स्मार्टफोन, टैबलेट और डेजी प्लेयर जैसे डिजिटल उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को उनकी शारीरिक आवश्यकता एवं चिकित्सकीय संस्तुति के आधार पर विभिन्न प्रकार के उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। इनमें ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, एमआर किट, ब्रेल किट, एडीएल किट, वॉकर, रोटेटर और स्मार्ट केन सहित अनेक सहायक उपकरण शामिल हैं। दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल किट एवं स्मार्ट केन जैसे उपकरण दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाने में सहायक हैं, जबकि गतिबाधित दिव्यांगजनों के लिए ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर एवं अन्य मोबिलिटी उपकरण आवागमन और स्वतंत्र गतिशीलता को बढ़ावा देते हैं। चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंग भी उपलब्ध कराए जाते हैं। वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को 15 हजार रुपये तक की लागत वाले निर्धारित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं।

स्मार्टफोन और टैबलेट से बढ़ी डिजिटल पहुंच

डिजिटल युग में शिक्षा, संचार, सूचना और सरकारी सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को स्मार्टफोन एवं टैबलेट जैसे डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे विशेष रूप से दिव्यांग छात्र-छात्राओं और युवाओं को ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल संचार, अध्ययन सामग्री तथा विभिन्न ऑनलाइन सरकारी सेवाओं एवं सूचनाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिल रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 34,420 पात्र दिव्यांगजनों को विभिन्न कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। डिजिटल उपकरणों को योजना से जोड़ने से दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को तकनीक का नया आयाम मिला है।

2 सगे भाइयों ने चाय की कैंटीन में लगाई आग

छोटे भाई से विवाद के बाद पेट्रोल लेकर लखनऊ पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ के कैसरबाग क्षेत्र के मछली मोहाल में 2 सगे भाइयों ने विवाद के बाद चाय की कैंटीन में आग लगा दी। पीड़ित कैंटीन संचालक मोनिश ने कैसरबाग थाने में तहरीर देकर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मछली मोहाल कैसरबाग निवासी मोनिश के मुताबिक, जम्बूरखाना स्थित मकान नंबर 117/112 में उसकी चाय की कैंटीन है। कैफ राशिद और सैफ राशिद पुत्र राशिद अली सिद्दीकी, निवासी जम्बूरखाना के छोटे भाई से उसका चाय को लेकर विवाद हो गया था।

इसी विवाद के चलते 15 अगस्त की रात करीब 11:50 बजे कैफ राशिद और सैफ राशिद कैंटीन पहुंचे। दोनों ने साथ में लाया पेट्रोल छिड़कर कैंटीन में आग लगा दी। पूरी कैंटीन जलकर राख हो गई। मोनिश के अनुसार, दोनों भाइयों का पेट्रोल छिड़कर आग लगाने का वीडियो भी मिला है। इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी मिश्रा के अनुसार, रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। एक आरोपी सैफ राशिद को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की तलाश जारी है। वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाया जिसमें साफ तौर पर आरोपी युवक दुकान में घुसकर पेट्रोल छिड़कते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद दुकान में आग लगा देते हैं। आग लगने से दुकान के अंदर रखा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

निर्देश : ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों से पिछले वित्तीय वर्ष में वसूला 474 करोड़ का प्रशमन शुल्क

सड़क सुरक्षा व शून्य मृत्युदर की दिशा में परिवहन विभाग ने उठाए कड़े कदम

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़क दुर्घटनाओं में शून्य मृत्युदर का लक्ष्य पाने का दे चुके हैं निर्देश
- चालू वित्तीय वर्ष के चार महीने में 5 लाख चालान किए और 172 करोड़ रुपये लगाया जुर्माना
- परिवहन विभाग की कार्रवाई का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति अनुशासन बढ़ाना

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती वाहन संख्या के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर योगी सरकार का फोकस लगातार बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और शून्य मृत्यु दर की दिशा में विभिन्न अवसरों पर विभागों को जरूरी निर्देश देते रहे हैं। इसका असर सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों के पालन को लेकर परिवहन विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई में भी दिखाई दे रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में 474 करोड़ रुपये और चालू वित्तीय वर्ष में 172 करोड़ रुपये प्रशमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया है। इस अवधि में 20 लाख से ज्यादा चालान भी किए गए हैं। अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) केडी सिंह गौर ने कहा कि सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने और यातायात नियमों का पालन कराना परिवहन विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी क्रम में विभाग के प्रवर्तन दल ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान चलाया। कार्रवाई का उद्देश्य महज जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना और सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है। परिवहन विभाग के मुताबिक इस सख्ती का व्यापक उद्देश्य वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति अनुशासन बढ़ाना है। नियमों का पालन होने से सड़क पर ओवरस्पीडिंग, बिना जरूरी दस्तावेज वाहन चलाने, क्षमता से अधिक सवारी या माल ढोने और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन जैसी स्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण में मदद मिलती है।

15 लाख चालान के जरिए 474 करोड़ का जुर्माना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल ने प्रदेशभर में करीब 15 लाख चालान किए। इन कार्रवाई के माध्यम से 474 करोड़ रुपये का प्रशमन शुल्क वसूला गया। यह बड़े पैमाने पर की गई प्रवर्तन कार्रवाई को दर्शाता है, जिसके जरिए सड़क पर नियमों का पालन सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

> **वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के शुरुआती चार महीनों में ही करीब 5 लाख चालान किए जा चुके हैं। इन कार्रवाई से 172 करोड़ रुपये का प्रशमन शुल्क प्राप्त हुआ है। इससे साफ है कि सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग की निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी है।**

शरीर से धुआं उठा, बेहोश होकर छज्जे पर लटकी रही

हाईटेंशन लाइन से महिला 5 मिनट जली

छत पर कपड़े सुखाने गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी



सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में रविवार सुबह 9 बजे एक महिला हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। वह घर के छज्जे पर करीब 5 मिनट तक तार से चिपकी रही। करंट लगने से उसके कपड़े जल गए। शरीर से धुआं निकलता रहा। महिला लगातार तड़पती रही।

महिला को तार से चिपका देखकर आसपास के लोगों ने पावर हाउस में फोन किया। बिजली सप्लाई बंद कराई। इसके बाद महिला को तार से अलग कर एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना सरोजनी-नगर क्षेत्र की है। सरोजनीनगर की जयराजपुरी कॉलोनी में रहने वाले संदीप रावत घरों में वाई-फाई लगाने का काम करते हैं। साथ में पत्नी मीरा (35) और छोटे भाई प्रदीप रावत रहते हैं। उनकी मीरा से 10 साल पहले शादी हुई थी। दोनों के कोई संतान नहीं हैं। रविवार सुबह संदीप घर में सो रहा था। प्रदीप शनिवार को महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन गया था।

सुबह करीब 9 बजे मीरा कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने दूसरी मंजिल की छत पर गई थी। कपड़े डालते समय उसका दुपट्टा पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से छू गया। करंट लगते ही मीरा बाउंड्री के बाहर छज्जे पर गिर गई।

तेज रफ्तार कार पलटी, दो मामा, भांजे की मौत

हादसा

100 की स्पीड, अचानक ब्रेक लगाए, कई बार पलटी, नोएडा से उन्नाव जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। यूपी के हाथरस में हुए एक भीषण सड़क हादसे में भांजे और उसके दो सगे मामाओं की मौत हो गई। ढाई साल के बच्चे समेत 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शनिवार देर रात एक ही परिवार के 7 लोग होंडा ब्रियो कार से नोएडा से उन्नाव जा रहे थे। अलीगढ़-एटा हाईवे पर करीब 2:50 बजे अचानक एक अन्य कार सामने आ गई। ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे कार बेकाबू होकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार करीब 100 किमी/घंटा रही होगी। हाईवे के किनारे खड़ी कार से टकराने से बचने की कोशिश में कार 4-5 बार पलटी और करीब 20 मीटर तक फिसलती चली गई। हरदोई के रहने वाले रामजी (26), उनके दोनों मामा जगत पाल (50) और





- अचानक ब्रेक मारने के कारण कार बेकाबू होकर पलट गई थी।
- घायलों को बाखला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
- घायल राजीव ने बताया- कार को मेरा साला रामजी चला रहा था। उसकी मौत हो गई।



अवधेश मृतक मामा | रामजी मृतक भांजा | जगत पाल मृतक मामा

अवधेश (35) की मौत हो गई। उन्नाव निवासी रामजी के जीजा राजीव पाल (30), दीदी गोल्डी (28), भांजा नक्श (ढाई साल) और रिश्तेदार माया (40) घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र में हुआ। घायल राजीव ने बताया- कार को मेरा साला रामजी चला रहा था। उसकी मौत हो गई। कार इतनी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई कि बोनट और हेडलाइटें टूट चुकी थीं। राहगीरों ने हमें बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। फिर एम्बुलेंस से सभी को हाथरस जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने 3 को मृत घोषित कर दिया। 4 का इलाज जारी है।

पारिवारिक कार्यक्रम के लिए जा रहा था परिवार

मृतक रामजी के घायल जीजा राजीव पाल ने बताया- हम सभी नोएडा के एकमूर्ति में किराए के मकान में रहते हैं। कार वॉशिंग का काम करते हैं। उन्नाव में एक रिश्तेदार के घर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे। 185 किलोमीटर का रास्ता तय करके हाथरस पहुंचे थे।

रामजी ने सेकेंड हैंड कार खरीदी थी

रामजी के बड़े भाई श्याम जी ने बताया- मामा जगतपाल, अवधेश और रामजी हरदोई के बालामऊ के रहने वाले थे। जीजा राजीव का परिवार उन्नाव के बांगरमऊ का रहना वाला है। रामजी ने कुछ महीने पहले ही नोएडा में सेकेंड हैंड कार खरीदी थी। उसकी कार से ही सभी आना-जाना करते थे। हमें रात में पुलिस से हादसे के बारे में सूचना मिली। सुबह भागते हुए अस्पताल पहुंचे।

रामजी कार चला चला रहा था, बाकी सो रहे थे

कार (DL3C-BE-8289) को मेरा साला रामजी चला रहा था। बाकी सब कार में सो रहे थे। रात करीब 2:50 बजे जोर का झटका लगने से नींद खुली तो देखा कार पलटी हुई थी।

पीछे बैठा मेरा परिवार बुरी तरह जख्मी था। गोद में बैठा मेरा बेटा भी घायल था।

उनके कराहने की आवाजें आ रही थी।

जिलाधिकारी ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ



तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में युवक ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर मोहल्ले में शनिवार देर रात एक 21 वर्षीय युवक ने अपने कमरे में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान श्रीनगर निवासी दीपक पाल (21) पुत्र विनोद कुमार पाल के रूप में हुई है।

वाजपेयी की पुण्यतिथि, अवंतीबाई की जयंती पर कार्यक्रम

उन्नाव। उन्नाव के नवाबगंज में रविवार दोपहर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि और वीरांगना अवंतीबाई लोधी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद साक्षी महाराज शामिल हुए। शुरुआत दोनों विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, संघर्ष और राष्ट्रसेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अटल ने अपनी विचारधारा, वक्तृत्व क्षमता और सहज व्यवहार से भारतीय राजनीति में अलग पहचान बनाई।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, तटवर्ती इलाकों में चिंता

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, रविवार को पिछले 24 घंटे में जलस्तर में दो सेंटीमीटर की मामूली गिरावट दर्ज की गई, फिर भी पानी चेतावनी बिंदु से ऊपर बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, मंगलवार शाम को गंगा का जलस्तर 112.08 मीटर था, जो बुधवार शाम को बढ़कर 112.13 मीटर हो गया।

सांप ने डसा तो भाई ने 150 थप्पड़ मारे

हरदोई में युवक को 1 घंटे तक जगाए रखा, डॉक्टरों ने 15 इंजेक्शन लगाकर बचाई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई में एक युवक को सांप ने डस लिया। बड़े भाई ने लिफ्ट लेकर उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। युवक की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टर ने हिदायत दी कि उसे किसी भी कीमत पर सोने न दिया जाए। इसके बाद युवक के बड़े भाई ने उसके गाल पर लगातार 150 से ज्यादा थप्पड़ मारे, ताकि उसे नींद ना आए। बड़े भाई ने युवक को 1 घंटे तक सोने नहीं दिया। डॉक्टरों ने युवक को 15 एंटी-वेनम के इंजेक्शन दिए, जिसके बाद उसकी जान बच सकी। हालांकि, सामान्य तौर पर 5 एंटी वेनम में ही मरीज को बचाया जा सकता है। घटना देहात कोतवाली क्षेत्र की शनिवार दोपहर 2 बजे की है। ज्योति नगर में गुड्डू (46) का परिवार रहता है। परिवार में पत्नी नीलम (43) और दो बेटे आकाश, अरुण और एक



बेटी संजना है। बड़ा बेटा आकाश डेयरी चलाता है। शनिवार दोपहर वह खेत में काम कर रहा था। करीब 2 बजे छोटा भाई अरुण (21) खेत में उसके लिए पानी लेकर गया था। खेत में काम करते हुए अरुण ने घास की बोरी उठाई, तो उसमें छिपे सांप ने उसे डस लिया। सांप के डसते ही अरुण की चीख निकल गई। भाई की चीख सुनकर आकाश तुरंत उसे तुरंत सड़क की ओर लेकर भागा। उसने एंबुलेंस और पुलिस को फोन किया। अरुण की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। तभी सड़क पर प्रगति नगर के रहने वाले मेडिकल स्टोर संचालक शिवम शर्मा वहां से गुजर रहे थे। शिवम ने जब अरुण की नाजुक हालत देखी तो दोनों भाइयों को अपनी बाइक पर बैठाया और बिना देर किए उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने बताया कि सांप के काटने के बाद मरीज का सो जाना जानलेवा हो सकता है, क्योंकि इससे नर्वस सिस्टम के रुक जाने और सांस की नली में उल्टी फंसने का खतरा रहता है।

बड़े भाई ने गाल पर 150 से ज्यादा थप्पड़ मारे

मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (EMO) डॉ. शेर सिंह और उनकी पांच सदस्यीय टीम ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया। डॉक्टर ने परिजनों को सख्त हिदायत दी कि मरीज को किसी भी कीमत पर सोने न दिया जाए। इसके बाद बड़े भाई आकाश ने अरुण को होश में रखने के लिए लगातार उसके गाल पर 150 से ज्यादा थप्पड़ मारे, ताकि वह जागता रहे और उसकी हालत पर नजर रखी जा सके। इस बीच हॉस्पिटल का स्टाफ भी उसे जगाने में लगा रहा।



डॉक्टर बोले- 5 इंजेक्शन दिए जाते हैं, इसे 15 लगे

डॉ. शेर सिंह के अनुसार, आमतौर पर सांप के काटने पर 5 इंजेक्शन दिए जाते हैं, लेकिन अरुण के शरीर में जहर काफी ज्यादा फैल गया था। उसे 2 घंटे के भीतर कुल 15 एंटी-वेनम इंजेक्शन लगाए गए।

ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की हुई मौत

बाराबंकी में परिजनों ने पुरानी रंजिश में हत्या का आरोप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के पूरे गुमान मजरे कोलवा गांव में एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। परिजनों ने इसे हादसा मानने से इनकार करते हुए पुरानी रंजिश के चलते सुनियोजित हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के भाई ने पुलिस में नामजद तहरीर दी है, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शमशेर की ट्रैक्टर से कुचलने के बाद मौत हुई। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि शमशेर के साथ पहले मारपीट की गई और फिर उसे ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। उनका कहना है कि इस घटना के पीछे पुरानी दुश्मनी है। मृतक के भाई मुस्ताक अहमद ने सुबेहा थाने में



नामजद शिकायत दर्ज कराई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि पुरानी दुश्मनी के कारण शमशेर को निशाना बनाया गया और मारपीट के बाद ट्रैक्टर से कुचलकर उसकी जान ले ली गई। परिजनों ने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला

पिता ने दामाद समेत 11 पर दहेज हत्या का केस दर्ज कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के पिहानी कोतवाली क्षेत्र की ग्राम रैंगाई में रविवार सुबह करीब 8:30 बजे 25 वर्षीय नवविवाहिता आंचल गुप्ता का शव कमरे में रस्सी से फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही कोतवाल श्याम नारायण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता विनोद कुमार गुप्ता, जो लखीमपुर खीरी जिले के जंगबहादुरगंज के निवासी हैं, ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी आंचल का विवाह 2 मार्च 2025 को रैंगाई निवासी हिमांशु गुप्ता से हुआ था। आरोप है कि शादी में उन्होंने अपनी सामर्थ्य से बढ़कर लगभग 20 लाख रुपये का दहेज



दिया था। पिता विनोद कुमार गुप्ता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही दामाद हिमांशु और उसके परिवार वाले अतिरिक्त 20 लाख रुपये नकद और एक बोलेरो गाड़ी की मांग को लेकर आंचल को प्रताड़ित करते थे और उसके साथ मारपीट करते थे। उनकी मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने आंचल की पिटाई की और उसे फंदे पर लटकाकर उसकी हत्या कर दी। परिजनों के अनुसार, जब वे सुबह करीब 10:30 बजे रैंगाई पहुंचे।

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से उनके विचारों को जीवन में उतारने का किया आह्वान

अटल बिहारी की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को हरदोई स्थित भाजपा जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। दोपहर करीब 1:30 बजे आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के लिए राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम



नहीं थी। उन्होंने राजनीति को राष्ट्र निर्माण और जनसेवा का साधन माना। यही कारण है कि आज भी उन्हें एक कुशल प्रशासक, ओजस्वी वक्ता, संवेदनशील कवि और दूरदर्शी राजनेता के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपने राजनीतिक जीवन में कठिन परिस्थितियों के बावजूद सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विचार और राजनीतिक जीवन आज भी देश के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने जिस सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा था, उसी प्रेरणा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में बुनियादी ढांचे के विकास, आर्थिक प्रगति, तकनीकी नवाचार, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने की दिशा में लगातार काम हो रहा है।

भारतीय राजनीति के विराट व्यक्तित्व थे अटल जी

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे विराट व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने विचारों, सिद्धांतों, संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा के माध्यम से देश के राजनीतिक जीवन को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि अटल जी की राजनीतिक स्वीकार्यता केवल अपनी पार्टी तक सीमित नहीं थी, बल्कि दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर सभी वर्गों और राजनीतिक विचारधाराओं के लोगों के बीच उनका सम्मान था। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित को हमेशा प्राथमिकता दी। उनकी सरल भाषा, प्रभावशाली वक्तृत्व शैली और संवेदनशील व्यक्तित्व ने उन्हें देश के करोड़ों लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया।

युवा पीढ़ी अटल जी के विचारों से ले प्रेरणा

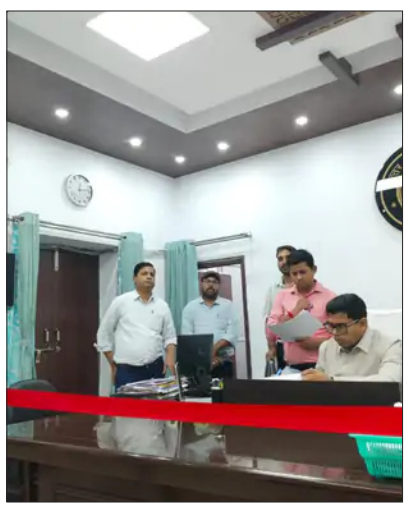
श्रद्धांजलि सभा में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने युवा पीढ़ी से अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्रहित, सुशासन, अनुशासन, विनम्रता और जनसेवा को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन यह संदेश देता है कि व्यक्ति अपने सिद्धांतों पर कायम रहते हुए भी समाज के सभी वर्गों का सम्मान हासिल कर सकता है। उनकी वाणी, व्यवहार और राजनीतिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाई देती थी।

फेरबदल : पदोन्नति के तुरंत बाद मिली नई तैनाती, सभी को तत्काल कार्यभार संभालने के निर्देश

7 नायब तहसीलदार प्रमोट होकर बने तहसीलदार

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में राजस्व प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने शनिवार रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के तहत जिले में तैनात सात नायब तहसीलदारों को पदोन्नति के बाद तहसीलदार पद पर नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इन अधिकारियों को शासन की ओर से दो दिन पहले ही नायब तहसीलदार से तहसीलदार पद पर पदोन्नत किया गया था। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी ने उनकी नवीन तैनाती के आदेश जारी कर दिए। आदेश के मुताबिक नीरज चतुर्वेदी को नायब तहसीलदार



पुरवा से पदोन्नत कर तहसीलदार पुरवा बनाया गया है। प्रीति सिंह को नायब तहसीलदार हसनगंज से तहसीलदार (न्यायिक) पुरवा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अशोक कुमार शुक्ला को नायब तहसीलदार बांगरमऊ से पदोन्नति के बाद तहसीलदार सफीपुर नियुक्त किया गया है। धीरज कुमार त्रिपाठी को नायब तहसीलदार सदर से तहसीलदार बीघापुर बनाया गया है। दीपक गौतम को नायब तहसीलदार हसनगंज से तहसीलदार (न्यायिक) बांगरमऊ की जिम्मेदारी मिली है। देवेंद्र यादव को नायब तहसीलदार सफीपुर से पदोन्नत कर तहसीलदार (न्यायिक) सदर के पद पर तैनात किया गया है। स्नेहा यादव को नायब तहसीलदार सीलिंग कलेक्ट्रेट से पदोन्नत कर तहसीलदार (न्यायिक) बीघापुर बनाया गया है। फेरबदल के दौरान कुछ अधिकारियों को फिलहाल प्रतीक्षारत रखा गया है। नायब तहसीलदार सर्वेक्षण एवं अभिलेख इकाई के मुकेश सिंह और प्रदीप कुमार निगम को रिक्त पद उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित सर्वे कार्यालय में प्रतीक्षारत सूची में रखा गया है। सफीपुर की तहसील-



दार सुरभि गौतम चिकित्सीय अवकाश पर हैं। इसके चलते उन्हें भी फिलहाल प्रतीक्षारत रखा गया है। जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में सभी नवनियुक्त तहसीलदारों को अपनी नवीन तैनाती वाले पद पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरयू नदी खतरे के निशान से 4 सेंटीमीटर ऊपर

बाराबंकी में तटीय गांवों में बढ़ी बाढ़ की चिंता, कटान शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में नेपाल की पहाड़ियों में लगातार बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के बाद सरयू नदी एक बार फिर उफान पर है। रविवार दोपहर तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। इससे रामनगर तहसील क्षेत्र के तटीय गांवों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। तपेसिपाह गांव में नदी का पानी अब आबादी के करीब पहुंच गया है। छप्परनुमा घरों के आसपास पानी पहुंचने के साथ नदी में कटान भी शुरू हो गया है। रविवार सुबह एल्गिन ब्रिज पर सरयू का जलस्तर 106.110 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 106.070 मीटर से 4 सेंटीमीटर ऊपर है। नदी में करीब 3.44 लाख क्यूसेक पानी का



डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया। जलस्तर लगातार बढ़ने से तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। रामनगर तहसील के तपेसिपाह गांव में सरयू का पानी तेजी से आबादी की ओर बढ़ रहा है। नदी के किनारे कटान भी शुरू हो गया है। तेज कटान के कारण ग्रामीणों में दहशत है। लोग लगातार नदी के जलस्तर और कटान की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलस्तर में और बढ़ोतरी हुई तो आसपास के गांवों में भी परेशानी बढ़ सकती है। नदी किनारे की जमीन तेजी से कटने से ग्रामीणों को घर और खेत प्रभावित होने की चिंता सता रही है।

सम्पादकीय

विकास की सप्तधारा



लाल किले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ कहा और जिन नए कार्यक्रमों की घोषणा की, उनसे देश को विकसित बनाने की उनकी प्रतिबद्धता ही प्रकट होती है। इस अवसर पर उन्होंने जिस तरह देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया, उससे यह पता चलता है कि समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में है। ऐसा होना भी चाहिए, लेकिन यही प्राथमिकता केंद्रीय सत्ता के प्रशासन की भी होनी चाहिए।

इतना ही नहीं, इस मामले में राज्य सरकारों को भी केंद्र सरकार के साथ सहयोग करना होगा। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकारों और उनके प्रशासन की महती भूमिका होती है। देश को विकसित बनाने का लक्ष्य तब पूरा होगा, जब केंद्र और राज्य एक टीम की तरह काम करेंगे। अभी कई बार इसका अभाव दिखता है।

देश को विकसित बनाने के लिए केवल यह आवश्यक नहीं कि समस्याओं की सही तरह पहचान हो। आवश्यक यह भी है कि उनके समुचित समाधान के तौर-तरीके विकसित किए जाएं। ऐसा तब होगा, जब सरकारी योजनाओं के अनुपालन में विश्वस्तरीय मानकों और गुणवत्ता को अपनाया जाएगा। अभी ऐसा नहीं हो पा रहा है और इसीलिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं अपेक्षित नतीजे नहीं दे पा रही हैं।

इस बार लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने जो घोषाणाएं कीं, उनमें प्रमुख हैं एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण देना और छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराना। ये दोनों पहल सराहनीय और समय की मांग के अनुरूप हैं, लेकिन क्या सरकारी कोचिंग निजी कोचिंग संस्थानों के दबदबे को कम कर पाएगी? प्रश्न यह भी है कि कहीं युवाओं को दिए जाने वाले एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का हश्र कौशल विकास जैसा तो नहीं होगा?

लाल किले से प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों को लेकर शक्ति की सप्तधारा का जो उल्लेख किया, वह एक तरह से विकसित भारत के लक्ष्य को पाने का खाका है। इसका उद्देश्य देश की क्षमता का पूरा उपयोग करना है। सप्तधारा की पहली शक्ति मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता, दूसरी शक्ति कृषि एवं खाद्य उत्पादन, तीसरी शक्ति प्रौद्योगिकी एवं नवाचार और चौथी शक्ति गति शक्ति है। इसका आशय कनेक्टिविटी से है। सप्तधारा की पांचवीं शक्ति रक्षा शक्ति, छठी शक्ति ग्रीन इकोनॉमी-ब्लू इकोनॉमी और सातवीं शक्ति देश की साफ्ट पावर है। इन सभी शक्तियों को बल तब मिलेगा, जब उनके इस्तेमाल में समाज के हर हिस्से की हिस्सेदारी होगी। इससे ही असमान विकास की समस्या का निदान होगा। अच्छा होगा कि इन शक्तियों का उपयोग नैतिक बल के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

विकसित भारत की असली कसौटी समृद्धि के साथ सम्मान और सुरक्षा

> **महिला आरक्षण का सवाल भी केवल संसद में सीटों की संख्या का सवाल नहीं है। यह राजनीतिक प्रतिनिधित्व की उस ऐतिहासिक कमी को दूर करने का प्रयास है जिसमें महिलाएं आबादी का बड़ा हिस्सा होते हुए भी निर्णय लेने वाली संस्थाओं में लंबे समय तक कम दिखाई देती रही हैं।**



विकसित भारत का सपना केवल बड़ी अर्थव्यवस्था, चौड़ी सड़कों, ऊंची इमारतों, आधुनिक बंदरगाहों और तेज रफ्तार रेल का सपना नहीं है। विकास की चमक तब तक अधूरी है, जब तक उसके उजाले में वह आदमी दिखाई न दे जो गांव के आखिरी छोर पर रहता है, वह महिला दिखाई न दे जो घर और खेत दोनों संभालती है, वह मजदूर दिखाई न दे जो शहर बनाता है लेकिन खुद असुरक्षित रहता है और वह युवा दिखाई न दे जो डिग्री लेकर भी अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं है।

इसलिए विकसित भारत की असली कसौटी यह नहीं कि देश की सकल घरेलू उत्पाद कितनी बड़ी हो गई। सवाल यह है कि उस समृद्धि में नागरिक की हिस्सेदारी कितनी है और उसकी जिंदगी कितनी सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वतंत्र हुई है। अगर विकास का लाभ ऊपर से नीचे की ओर रिसने की प्रतीक्षा करता रहे और अंतिम आदमी तक पहुंचने में दशकों लग जाएं, तो ऐसे विकास की सामाजिक सार्थकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

विकास का पहला अर्थ अवसर है। दूसरा अर्थ सुरक्षा और तीसरा अर्थ सम्मान। नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और सामाजिक सुरक्षा मिले, यह किसी कल्याणकारी राज्य की कृपा नहीं, आधुनिक लोकतंत्र की बुनियादी जिम्मेदारी है। आर्थिक विकास का उद्देश्य अंततः मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाना ही है। यदि अर्थव्यवस्था बढ़ रही हो और नागरिक का जीवन असुरक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक विषमता से घिरा रहे तो आंकड़ों की चमक और जीवन की वास्तविकता के बीच एक खतरनाक दूरी पैदा होती है।

भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा पिछले वर्षों में बढ़ा है। गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य बीमा, बैंक खाते, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और ग्रामीण रोजगार जैसी व्यवस्थाओं ने राज्य और नागरिक के संबंध को बदला है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा को केवल योजनाओं की संख्या से नहीं मापा जा सकता। असली प्रश्न यह है कि जरूरतमंद व्यक्ति तक सुविधा बिना बिचौलिये, बिना अपमान और बिना अनावश्यक कागजी बाधा के पहुंचती है या नहीं।

गरीबी से बाहर निकलने वाला परिवार सबसे पहले जिस संकट से डरता है, वह फिर से गरीबी में गिर जाने का होता है। बीमारी, बेरोजगारी, दुर्घटना, फसल की बर्बादी या अचानक आई आर्थिक विपत्ति वर्षों की मेहनत को मिटा सकती है। इसलिए विकसित भारत में सामाजिक सुरक्षा को केवल गरीबों की सहायता के रूप में नहीं, बल्कि नागरिकों को आर्थिक झटकों से बचाने वाली व्यापक व्यवस्था के रूप में देखना होगा।

मध्यम वर्ग का प्रश्न भी इससे जुड़ा है। अक्सर सामाजिक सुरक्षा की चर्चा में गरीब और वंचित वर्ग केंद्र में रहते हैं और मध्यम वर्ग को अपने दम पर चलने वाला वर्ग मान लिया जाता है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, बच्चों की पढ़ाई और रोजगार की अनिश्चितता ने मध्यम वर्ग पर भी भारी दबाव डाला है। कर देने वाले नागरिक को भी यह भरोसा चाहिए कि संकट की घड़ी में व्यवस्था उसके साथ खड़ी होगी।

इसी संदर्भ में महिला शक्ति का सवाल सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। कोई देश आधी आबादी को केवल लाभार्थी बनाकर विकसित नहीं हो सकता। महिलाओं को विकास की लाभार्थी से विकास की निर्माता बनाना होगा। महिला की आर्थिक स्वतंत्रता परिवार की आर्थिक मजबूती भी है और समाज की लोकतांत्रिक शक्ति भी।

'लखपति दीदी' जैसे प्रयासों का महत्व इसी दृष्टि से समझना चाहिए। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को बचत, ऋण, उद्यम और बाजार से जोड़ने की प्रक्रिया ने गांव की महिला की भूमिका को बदलने की संभावना पैदा की है। लेकिन लक्ष्य केवल किसी महिला की आय एक निश्चित सीमा तक पहुंचाना नहीं होना चाहिए। लक्ष्य यह होना चाहिए कि महिला आर्थिक निर्णय लेने में सक्षम हो, संपत्ति पर उसका अधिकार हो, बाजार तक उसकी पहुंच हो और उसके श्रम का मूल्य उसे मिले।

पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी ने यह दिखाया है कि नेतृत्व का अवसर मिलने पर महिलाएं स्थानीय शासन की प्राथमिकताओं को बदल सकती हैं। पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और घरेलू हिंसा जैसे सवाल राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बने हैं।

अब चुनौती पंचायत से संसद तक महिला नेतृत्व की निरंतरता की है। आरक्षण रास्ता खोल सकता है, लेकिन नेतृत्व को मजबूत करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, आर्थिक स्वतंत्रता और राजनीतिक स्वायत्तता जरूरी है। महिला प्रतिनिधि को केवल किसी पुरुष नेता की प्रतिनिधि बनाकर छोड़ देना महिला सशक्तीकरण नहीं है। असली सशक्तीकरण तब होगा जब वह स्वयं निर्णय लेगी, सवाल पूछेगी और जवाबदेही तय करेगी।

विकसित भारत की एक और अनिवार्य शर्त नागरिक की भागीदारी है। लोकतंत्र में नागरिक केवल चुनाव के दिन मतदाता नहीं होता। वह शासन का सहभागी है। जनगणना जैसी विशाल राष्ट्रीय प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी इसलिए महत्वपूर्ण है कि देश की नीतियां जिन आंकड़ों पर बनती हैं, उनकी विश्वसनीयता भी नागरिक की भागीदारी से तय होती है। जनगणना केवल संख्या गिनने का काम नहीं; वह यह जानने का माध्यम है कि देश किस दिशा में बदल रहा है, कहां आबादी बढ़ रही है, कहां रोजगार चाहिए, कहां स्कूल और अस्पताल चाहिए और किन क्षेत्रों में राज्य की उपस्थिति कमजोर है। नागरिक भागीदारी का अर्थ केवल सरकार की योजनाओं का लाभ लेना भी नहीं है। सड़क पर कूड़ा न फेंकना, कर देना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, कानून का पालन करना, मतदान करना, गलत सूचना से बचना और स्थानीय समस्याओं के समाधान में भाग लेना भी नागरिकता का हिस्सा है। लोकतंत्र अधिकारों से चलता है, लेकिन केवल अधिकारों से टिकता नहीं। उसके लिए कर्तव्यबोध भी चाहिए। यहीं पंचप्रण का विचार महत्वपूर्ण हो जाता है। विकसित भारत का संकल्प तभी जनसंकल्प बन सकता है जब नागरिक अपने को केवल सरकार से मांगने वाला व्यक्ति न समझे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को भी पहचाने। सरकारें नीतियां बना सकती हैं, संस्थाएं खड़ी कर सकती हैं और संसाधन लगा सकती हैं; लेकिन समाज का चरित्र केवल सरकारी आदेशों से नहीं बदलता।

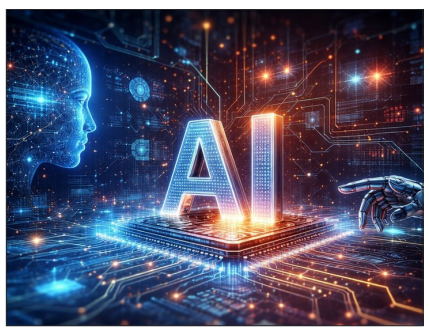
कुमार कृष्णन

यह समस्या इसलिए...

डॉ. शैलेश शुक्ला

विकासशील देशों में एआई सदस्यता शुल्क कम होने चाहिए

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज केवल एक नई तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, शोध, व्यापार, पत्रकारिता, स्वास्थ्य, प्रशासन और संचार को बदलने वाली महत्वपूर्ण तकनीक बनती जा रही है। जिस प्रकार इंटरनेट ने सूचना तक पहुँच को व्यापक बनाया, उसी प्रकार एआई आने वाले वर्षों में ज्ञान, कौशल और उत्पादकता तक पहुँच का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर प्रश्न भी सामने है कि क्या दुनिया के सभी देशों और सभी आय-वर्गों के लोगों को एआई का समान लाभ मिल सकेगा? यदि एआई की सदस्यता शुल्क ऐसी दरों पर तय होती है जो मुख्यतः अमेरिका और यूरोप जैसे उच्च आय वाले बाजारों की भुगतान क्षमता को ध्यान में रखती हैं, तो विकासशील देशों के करोड़ों लोगों के लिए वही कीमत बहुत महंगी साबित हो सकती है। मुद्रा के स्तर पर समान कीमत का अर्थ आर्थिक रूप से समान बोझ नहीं होता। किसी विकसित देश में बीस डॉलर की मासिक सदस्यता किसी व्यक्ति की आय का बहुत छोटा हिस्सा हो सकती है, जबकि विकासशील देश के निम्न या मध्यम आय वाले व्यक्ति के लिए यही राशि उसके मासिक बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है। इसलिए एआई



सेवाओं की वैश्विक कीमत निर्धारित करते समय केवल विदेशी मुद्रा की विनिमय दर को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है; स्थानीय आय, क्रय-शक्ति, औसत वेतन, जीवन-यापन की लागत और डिजिटल सेवाओं पर होने वाले खर्च को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को समझने के लिए प्रति व्यक्ति आय के साथ क्रय-शक्ति समता को देखना भी जरूरी है। किसी देश की प्रति व्यक्ति आय यदि विदेशी मुद्रा में कम दिखाई देती है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वहाँ प्रत्येक वस्तु उतनी ही महंगी है जितनी अमेरिका या यूरोप में। स्थानीय कीमतें, मजदूरी और सेवाओं की लागत अलग होती है। इसलिए क्रय-शक्ति समता किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू क्रय-क्षमता को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन एआई की कीमत तय करते समय केवल क्रय-शक्ति समता को भी अंतिम आधार नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि किसी देश की औसत आय और उसके गरीब या निम्न-मध्यम आय वाले नागरिकों की वास्तविक खर्च करने की क्षमता में बहुत अंतर हो सकता है। यही कारण है कि एक ही देश में किसी बड़े शहर के उच्च आय वाले पेशेवर और छोटे शहर के विद्यार्थी के लिए समान एआई सदस्यता शुल्क का आर्थिक प्रभाव बिल्कुल अलग हो सकता है। विशेष रूप से भारत जैसे विशाल और आय-विविधता वाले देश में स्थानीय क्रय-शक्ति के अनुरूप एआई की कीमत निर्धारित करने की आवश्यकता अधिक महसूस होती है।

यह समस्या इसलिए और गंभीर है क्योंकि दुनिया में डिजिटल असमानता अभी समाप्त नहीं हुई है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के वर्ष दो हजार पच्चीस के आंकड़ों के अनुसार दुनिया की लगभग तीन-चौथाई आबादी इंटरनेट का उपयोग कर रही है, लेकिन लगभग दो अरब बीस करोड़ लोग अब भी इंटरनेट से बाहर हैं और इनमें अधिकांश निम्न तथा मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में लगभग साठ प्रतिशत में इंटरनेट सेवाएँ अभी भी वहनीयता की समस्या से प्रभावित हैं। इतना ही नहीं, निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में मोबाइल इंटरनेट पर होने वाला आय का बोझ उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कई गुना अधिक है। ऐसी स्थिति में यदि इंटरनेट तक पहुँच पहले ही महंगी है और उसके ऊपर एआई की सदस्यता भी विकसित देशों के समान रखी जाती है, तो विकासशील देशों के लोगों के लिए एआई तक वास्तविक पहुँच और भी कठिन हो जाएगी। एआई को केवल मनोरंजन या अतिरिक्त सुविधा मानना अब उचित नहीं होगा। एक विद्यार्थी इसका उपयोग कठिन विषय समझने, भाषा सीखने और अध्ययन सामग्री तैयार करने में कर सकता है।

व्यक्ति को ...

संजय कुमार

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से नागरिकों को मिल रही हैं गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती दवायें

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तभी सार्थक मानी जाती है, जब प्रत्येक नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार के साथ-साथ आवश्यक दवाएं भी उचित मूल्य पर उपलब्ध हों। प्रदेश में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बन जाती है।

व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती दवायें उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (च्डठश्रच्) के अंतर्गत प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों की स्थापना की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य खराब होने पर होने वाले अनावश्यक आर्थिक बोझ को कम करना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है। उत्तर प्रदेश में भी इस योजना का विस्तार तेजी से किया जा रहा है और सहकारी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र केवल दवा बिक्री केंद्र नहीं हैं, बल्कि आम नागरिकों को आर्थिक रूप से राहत प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल हैं। इन केंद्रों पर उपलब्ध जेनेरिक दवाएं गुणवत्ता के निर्धारित मानकों पर खरी उतरती हैं, किंतु इनकी कीमत बाजार में उपलब्ध अनेक ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी कम होती है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ हो पाता है। जन औषधि केंद्रों के माध्यम से लोगों में जेनेरिक दवाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है। अब अधिक से अधिक लोग चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार कम कीमत पर उपलब्ध दवाओं का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उपचार का खर्च कम होने के साथ-साथ नियमित दवा सेवन भी संभव हो पा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में जन औषधि केंद्रों का व्यापक नेटवर्क विकसित करने के लिए प्रत्येक जनपद में कम से कम पांच प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहकारी क्षेत्र की बी-पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों) को भी इस अभियान से जोड़ा गया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों तक दवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित की जा सके। बी-पैक्स के माध्यम से जन औषधि केंद्र स्थापित करने का उद्देश्य केवल दवाओं की उपलब्धता बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण सहकारिता संस्थाओं को जनसेवा के नए आयामों से जोड़ना भी है। जिससे गांवों में रहने वाले लोगों को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती दवाएं उपलब्ध हो सकें। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में बी-पैक्स की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली है। योजना के अंतर्गत 971 बी-पैक्स द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए गए।

मत होओ नाराज़

आज के समय सबसे ज़्यादा ,सरल,सुगम्य , अपना काम निकलना आदि हैं तो वो हैं नाराज़ हों जाना । नाराज़ हों जाओं काम हों जाएगा । कोई काम दो आदमियों के बीच बँटा हुआ था। प्रथम आधा एक करता था फिनिसिंग (ख़त्म) दूसरे साथी के जिम्मे था।पर जब भी प्रशंसा होती तो प्रथम का नाम ही नहीं आता। दूसरा ही सदा बाजी मार ले जाता। बात प्रथम को अखरने लगी । दिल पर चोट करने लगी। अवसर पा प्रथम ने उच्च अधिकारी या बड़ों आदि से कह ही दी अपने मन की व्यथा जिन्होंने तसल्ली से सुनी उसकी कथा। वे एक मिनट के लिए हुए गंभीर। फिर कहा,"मत होओ अधीर।" आराम से प्रथम को बिठाया। एक ही मार्मिक बात से समझाया कि

> मत होओ नाराज यह सोच कर कि मैं भी तो करता हूँ काम पर होता है केवल दूसरे क़ा नाम। इसको मैं किसी घटना प्रसंग से रख रहा हुँ । भरा - पुरा परिवार था । सब कुछ अच्छा चल रहा था । पिता की मती फीरी , विपरीत बुद्धी का उदय हुआ , घर का विनाश का समय शुरु होना , कर्म का योग , पुण्यायी क्षीण का समय आदि । कारण था पुत्र मेरे से हर द्रष्टि से ऊच्चा कैसे हों रहा हैं । पिता जानबुझकर ग़लती नहीं होते हुए भी नित नयी नयी काल्पनिक बातें बना बनाकर जोड़कर पुत्र को बदनाम करता और लोगों परिवार के सामने उसको नीचा दिखाने लगा । पुत्र ने सब कुछ जान समझ लिया व पिता की मानसिकता से सामने जानबुझकर पिता को ऊच्चा रखकर मान देकर काम करने लगा । पुत्र मन में कभी नाराज़ नहीं होता समभाव में रहता । काफ़ी काम वो भितर खाने कर देता और नाम पिता का होता रहता । पिता भितर ही भितर इससे बहुत ख़ुश होता और हँसता की मेरी चालाकी , कलाबाज़ी का दिमाग आदि में मैं कामयाब हो गया और मुझे उम्मीद से ज़्यादा परिणाम मिल रहा हैं । वो ख़ुशी ही उनको विनाश की और ले गई जिसका उनको भान तो हुआ पर चूँकि मैं ने उनके भितर में जमा रखा था जो उनके आसन ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

उपज की सफल...

डॉ0 सीमा गुप्ता

औद्यानिक विकास से संवरती ग्रामीण आजीविका

शाहजहाँपुर में अमरूद की आधुनिक खेती से आय संवर्धन की नई मिसाल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के समग्र कृषि परिदृश्य को पारंपरिक खाद्यान्न उत्पादन से आगे ले जाकर उच्च मूल्य वाली औद्यानिक फसलों की ओर उन्मुख करने के लिए एक बहुआयामी एवं रणनीतिक कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश की विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियों (एग्रो-क्लाइमैटिक ज़ोन्स) का अधिकतम लाभ उठाते हुए औद्यानिक विकास को किसानों की आय संवर्धन, कृषि जोखिम न्यूनीकरण तथा सतत ग्रामीण आजीविका का मुख्य आधार बनाया गया है। प्रदेश सरकार का यह सुदृढ़ दृष्टिकोण न केवल कृषकों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, अपितु पूरे राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर औद्यानिक उत्पादों के प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक केंद्र के रूप में भी स्थापित कर रहा है।

राज्य सरकार की यह स्पष्ट नीति है कि प्रदेश का प्रत्येक किसान पारंपरिक कृषि के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों एवं विविध नकदी फसलों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाए। इसी क्रमबद्ध सोच को धरातल पर साकार करने का कार्य जनपद स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा निरंतर एवं सक्रिय मार्गदर्शन में सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपदों में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, तकनीकी प्रशिक्षणों तथा संस्थागत वित्तीय सहयोग के माध्यम से किसानों को समयबद्ध रूप से उन्नत खेती की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नवीन गति प्राप्त हो रही है।

जनपद शाहजहाँपुर में इस दिशा में विशेष प्रयास किए गए हैं, जहाँ जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन एवं रणनीतिक प्रयासों के फलस्वरूप औद्यानिक फसलों का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। जनपद के कृषकों को केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, विशेष रूप से एकीकृत बागवानी विकास मिशन से जोड़कर उन्हें आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, पारदर्शी आवेदन प्रक्रिया तथा नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ वास्तविक किसानों तक निर्बाध रूप से पहुँचे।

जनपद शाहजहाँपुर के अंतर्गत विकासखंड एवं तहसील पुवायाँ के ग्राम गगसरा पुवायाँ के प्रगतिशील किसान श्री गोविन्द सिंह (सुपुत्र श्री तारा सिंह) की सफलता की कहानी इस प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रयास का एक अत्यंत प्रेरक और प्रत्यक्ष उदाहरण है। श्री गोविन्द सिंह ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना का लाभ उठाते हुए अपनी कृषि पद्धति को एक नया आयाम दिया और क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

पूर्व में श्री गोविन्द सिंह पारंपरिक कृषि पद्धतियों के अनुसार खाद्यान्न एवं पारंपरिक फसलों का उत्पादन करते थे, जिसमें अत्यधिक श्रम और सीमित आय प्राप्त होती थी। कृषि लागत में निरंतर हो रही वृद्धि और बाजार में अनिश्चित मूल्य के चलते उन्हें कई प्रकार की आर्थिक चुनौतियों एवं अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा था। कृषि को लाभप्रद और टिकाऊ व्यवसाय बनाने के उद्देश्य से उन्होंने खेती में आधुनिक तकनीकों को समाहित करने का संकल्प लिया। इसके उपरांत उन्होंने जिला प्रशासन से संपर्क स्थापित कर एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और तकनीकी मार्गदर्शन में अमरूद की सघन बागवानी करने का निर्णय लिया। जिला प्रशासन के तकनीकी परामर्श और सतत देखरेख में श्री गोविन्द सिंह द्वारा अपने प्रक्षेत्र के 2.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अमरूद की उच्च गुणवत्तायुक्त एवं रोगमुक्त संकर किस्मों के पौधों का रोपण निर्धारित वैज्ञानिक मानकों के आधार पर किया गया। इस पूरी परियोजना की स्थापना में प्रति हेक्टेयर लगभग 1.50 लाख रुपये की लागत आई, जिसमें प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप अनुमन्य अनुदान सीधे लाभार्थी को सुलभ कराया गया। इस वित्तीय सहायता ने प्रारंभिक पूंजी निवेश के भार को कम कर दिया।

वैज्ञानिक देखरेख, संतुलित पोषण प्रबंधन एवं समुचित सिंचाई प्रबंधन के फलस्वरूप जब अमरूद की फसल तैयार हुई, तो उत्पादन की गुणवत्ता अत्यंत उत्कृष्ट रही। फसल के विपणन हेतु जिला प्रशासन के सहयोग से पारदर्शी बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराई गई, जिससे आढ़तियों और थोक व्यापारियों ने कृषक के प्रक्षेत्र से ही सीधे अमरूद का क्रय किया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय बाजारों में भी मांग के अनुसार उपज की आपूर्ति सुगमता से की गई, जिससे कृषक को परिवहन अथवा मध्यस्थों के कारण होने वाली संभावित क्षति का सामना नहीं करना पड़ा।

उपज की सफल बिक्री के उपरांत श्री गोविन्द सिंह को समस्त कृषि व प्रबंधन लागत निकालने के बाद लगभग 2.00 से 2.25 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हुआ। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने खेती में बढ़ती लागत और घटती आय की पुरानी धारणा को पूरी तरह निर्मूल साबित कर दिया। श्री गोविन्द सिंह की अथक मेहनत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शासकीय सहायता के समन्वय से स्थापित यह अमरूद का बाग आज संपूर्ण शाहजहाँपुर जनपद में आधुनिक बागवानी का एक आदर्श मॉडल बन चुका है।

श्री गोविन्द सिंह की इस सफलता ने पुवायाँ क्षेत्र सहित पूरे शाहजहाँपुर के अन्य किसानों को भी गहराई से प्रभावित और प्रेरित किया है। वर्तमान में क्षेत्र के अनेक कृषक पारंपरिक फसलों के सीमित चक्र से बाहर निकलकर फल, सब्जी एवं पुष्प उत्पादन जैसी उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इससे जनपद के फसल विविधीकरण को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है और किसानों के जोखिम उठाने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

जनपद शाहजहाँपुर में जिला प्रशासन द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि एवं औद्यानिक पद्धतियों के प्रति निरंतर जागरूक किया जा रहा है।

शिवसेना नेता पिस्टल की जांच करा रहा था, तभी फायर हुआ, आजमगढ़ से मुंबई जा रहा था

वाराणसी एयरपोर्ट पर गोली चली, 2 कर्मचारी घायल

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/आजमगढ़। वाराणसी एयरपोर्ट पर रविवार सुबह हथियार की जांच के दौरान एक यात्री से गोली चल गई। इससे महिला समेत दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। यात्री कमलेश राय पत्नी के साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस की IX-1810 फ्लाइट से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने विमान में ले जाने वाले हथियार को पहले ही डिक्लेयर किया था। हथियार की जांच के दौरान उससे एक राउंड फायर हो गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की सूचना पर पहुंची पुलिस को कमलेश के पास से पिस्टल समेत 21 कारतूस मिले। करीब 5 घंटे तक पूछताछ के बाद फूलपुर पुलिस उन्हें थाने ले गई।



डीसीपी गोमती नीतू कादयान ने बताया- फूलपुर पुलिस और अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया। यात्री कमलेश की लाइसेंसी पिस्टल का ऑल इंडिया परमिट है। बोर्डिंग से पहले मानक प्रक्रिया के अनुसार चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान दुर्घटनावश फायर हो गया। 2 ग्राउंड स्टाफ के कर्मचारियों को चोटें आई हैं।

आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश शिवसेना नेता हैं। वह मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और धनंजय सिंह के साथ तस्वीरें डाल रखी हैं।

2010 में मुंबई एयरपोर्ट में चली थी गोली

ऐसा ही मामला सितंबर 2010 में मुंबई एयरपोर्ट पर भी हुआ था। इंदौर जाने वाले यात्री गोविंद पाटीदार की लाइसेंसी पिस्टल की जांच के दौरान अचानक गोली चल गई थी। गोली फर्श से टकराई, जिससे निकला टाइल का टुकड़ा एक महिला स्क्रीनिंग कर्मचारी रीना रॉय के पैर में लगा। उन्हें मामूली चोट आई थी।



यात्री ने पिस्टल की सूचना पहले ही दे दी थी

■ वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया- कमलेश राय अपनी पत्नी सुषमा के साथ 11.30 बजे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने वाले थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्टल थी। जांच के दौरान उनसे एक राउंड फायर हो गया।

■ गोली पहले फर्श से टकराई और फिर पास में मौजूद महिला कर्मचारी बिहार के गया की रहने वाली सुमन (32) की जांघ में लगी। गोली के छर्रे रोहित राज के हाथ में लगे। दोनों खून से लथपथ हो गए। दोनों को तुरंत ही इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

■ स्वतंत्रता दिवस के चलते एयरपोर्ट को 11 से 20 अगस्त तक हाईअलर्ट जोन घोषित किया गया था। इसके बावजूद फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया है। एडीसीपी गोमती जोन समेत पुलिस अधिकारी और इंटेलिजेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी स्कैनर कर्मी रोहित ने बताया कि सुमन के साथ हथियार की जांच के लिए एक्स-रे करने काउंटर पर पहुंचा था। यात्री ने अपनी पिस्टल निकाली। उसमें पहले से गोली लोड थी। चेकिंग के दौरान यात्री ने ट्रिगर दबा दिया।



ई रेडियो इंडिया के 16वें मासिक अन्न सेवा अभियान में जरूरतमंदों को बांटा भोजन

सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने का निरंतर प्रयासः अजय चौधरी

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। ई रेडियो इंडिया की ओर से आयोजित मासिक अन्न सेवा अभियान का 16वां कार्यक्रम सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के तहत बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (UPAJ) के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मेरठ जिला अध्यक्ष पत्रकार अजय चौधरी की विशेष मौजूदगी रही। उनकी सहभागिता ने सेवा अभियान को और मजबूती प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. दिलशाद सैफी और प्रसिद्ध मिमिक्री आर्टिस्ट राजीव कुमार उर्फ जूनियर सनी देओल भी मौजूद रहे। अतिथियों ने जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर अन्न सेवा में सहभागिता की। ई रेडियो इंडिया की मासिक अन्न सेवा की शुरुआत 20 अप्रैल 2025 को की गई थी। इसके बाद से यह अभियान प्रत्येक



माह नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। पत्रकार त्रिनाथ मिश्रा ने इस सेवा अभियान को अपनी मां को समर्पित किया है। अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, संवेदना और मानवता की भावना को मजबूत करना है कार्यक्रम के दौरान पत्रकार अजय चौधरी ने कहा, "जरूरतमंद लोगों को अन्न देने का कार्य एक पुण्य कार्य है। ऐसे सेवा अभियानों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचती है। हम आगे भी इस अभियान को इसी तरह मजबूती प्रदान करते रहेंगे और सेवा कार्यों में अपना सहयोग देते रहेंगे।"

फास्ट न्यूज

चचेरे भाई की हत्या करने वाले का एनकाउंटर

कानपुर। कानपुर में घर घुसकर वैन चालक की हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी छिपकर शनिवार रात करीब 2 बजे अपने परिवार से मिलने आया था। सूचना पर साढ़ पुलिस ने रमईपुर-जहानाबाद मार्ग पर स्थित कुन्दौली मोड़ के पास चेकिंग शुरू की। बाइक से आते समय जब पुलिस ने रूकने का इशारा किया तो आरोपी भागने लगा और फायरिंग शुरू कर दी।

16 मिनट की सेल में हंगामा, मची भगदड़

कानपुर। कानपुर में कपड़ा कारोबारी के अजब-गजब ऑफर के चलते हंगामा हो गया। कारोबारी ने अपने बर्थडे पर 16 मिनट में कोई भी कपड़ा 16 रुपए में देने का ऐलान कर दिया। ऑफर के बाद दुकान पर करीब ढाई हजार लोगों की भीड़ लग गई। भीड़ देख दुकानदार अपनी दुकान बंद कर भाग गया। लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पुलिस ने लाठियां पटककर भीड़ को खदेड़ा, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पूरा मामला शनिवार रात करीब 12 बजे आलम मार्केट का है। पुलिस ने मोहम्मद आलम, रईस आलम और सलमान आलम के खिलाफ अनवरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अतीक के बेटे से मिलीं विधायक पल्लवी पटेल

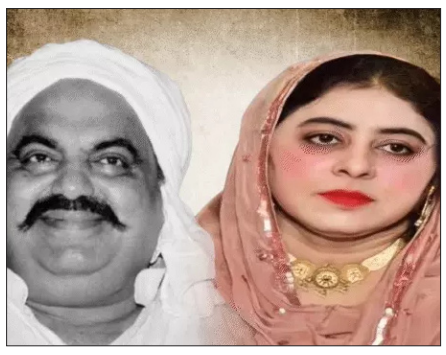
प्रयागराज। प्रयागराज में विधायक पल्लवी पटेल ने माफिया अतीक अहमद के बेटे अहजम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मेरे पिता सोनेलाल जब मुसीबत में थे तो अतीक ने साथ दिया था। आज बेटा खत्म होने से वो परिवार गम में है। इसीलिए मैं मिलने आई हूं। अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल शुक्रवार शाम 4 बजे हटवा पहुंची थीं।

पति, देवर, दो बेटों की मौत पर सामने नहीं आई, प्रयागराज में हटवा थी लास्ट लोकेशन

बदनसीबी की वजह से सुर्खियों में अतीक की पत्नी शाइस्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी की मोस्टवांटेड लिस्ट में शुमार 50 हजार की इनामी माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन इन दिनों देशभर में सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। वजह सबसे छोटे बेटे अबान की सड़क हादसे में मौत के बाद पूरा परिवार कब्रिस्तान में जमा हुआ। हर आंखें शाइस्ता को तलाशती रहीं। अफवाहें उड़ीं, बुर्कानशीं महिलाओं के वीडियो बने, लेकिन शाइस्ता की सही लोकेशन किसी को नहीं पता। अतीक अहमद की बेगम शाइस्ता परवीन भले ही तीन एजेंसियों पुलिस, एसटीएफ और ईडी की रडार पर है, लेकिन उसकी चर्चा, रील्स, फोटो, वीडियो सबसे ज्यादा बदनसीब और मजबूर मां के रूप में प्रसारित की जा रही है। वजह साफ



दो दिनों तक अबान की लाश हटवा में रखी रही। सुपुर्द-ए-खाक कसारी मसारी कब्रिस्तान में हुआ। यहां भी शाइस्ता खास चर्चा में रही। हर बुर्कानशीं महिला को देखते ही शाइस्ता की चर्चा हुई, लेकिन तस्वीर अंधेरे में ही रही, साफ नहीं हो सका कि शाइस्ता कहां है।

है कि पति अतीक की हत्या, तीसरे नंबर के बेटे असद का एनकाउंटर में मारा जाना, इकलौते देवर अशरफ की हत्या, बेटे अबान के हादसे में मौत... अतीक और परिवार के तीन लोगों की मौत पर शाइस्ता को चेहरा देखना, सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होना भी नसीब नहीं हुआ। बेटे असद की लाश कसारी मसारी कब्रिस्तान पहुंचीं और शाइस्ता को सभी एजेंसियां तलाशती रहीं। इसके बाद अतीक अशरफ की लाशें कब्रिस्तान में रखीं गईं, तब भी सारी निगाहें शाइस्ता को ही तलाशती रहीं।

पुलिस शाइस्ता और जैनब को क्यों तलाश रही?

24 फरवरी, 2023 को प्रयागराज में उमेश पाल का मर्डर हुआ। माफिया अतीक अहमद पर हत्या कराने का आरोप लगा। अरमान, गुलाम, शाबिर, गुड्डू मुस्लिम और अतीक का बेटा असद CCTV में गोली चलाते हुए दिखे। अतीक गुजरात की जेल में, जबकि उसका भाई अशरफ बरेली जेल में बंद था। अतीक की पत्नी शाइस्ता और अशरफ की पत्नी जैनब पर उमेश पाल की हत्या की साजिश में शामिल होने और शूटर्स की मदद करने के आरोप लगे।

8 राज्यों में अलर्ट, शाइस्ता-जैनब वांटेड हैं

यूपी पुलिस ने 8 राज्यों में अलर्ट जारी किया। राज्यों की पुलिस को बताया गया कि ये महिलाएं वांटेड हैं। दिल्ली समेत चुनिंदा एयरपोर्ट पर उनकी फोटो भेजी गई। लुक आउट नोटिस जारी हुआ, लेकिन जांच एजेंसियां दोनों को ट्रेस नहीं कर सकीं।

स्वतंत्रता दिवस पर गूंजा पत्रकार एकता का संकल्प, प्रेस क्लब में शान से लहराया तिरंगा

आजादी की लड़ाई में पत्रकारों का भी रहा बड़ा योगदानः अजय चौधरी

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को द प्रेस क्लब, मेरठ द्वारा प्रेस क्लब परिसर में गरिमापूर्ण ढंग से ध्वजारोहण किया गया। प्रेस क्लब के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार इन्द्र मोहन आहूजा, संरक्षक संतराम पांडे तथा उपज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मेरठ अध्यक्ष अजय चौधरी ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उपस्थित पत्रकारों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मेरठ अध्यक्ष अजय चौधरी ने स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश को आजादी दिलाने में पत्रकारों और कलमकारों का बहुत बड़ा योगदान



रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पत्रकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से जनजागरण किया, अंग्रेजी हुकूमत की नीतियों का विरोध किया और देशवासियों में राष्ट्रभक्ति एवं स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया। आजादी के बाद भी पत्रकारिता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज और शासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की एकजुटता, निष्पक्षता और निर्भीकता लोकतंत्र को और मजबूत करती है। प्रेस क्लब के संयोजक दिनेश चन्द्रा ने सभी पत्रकार साथियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेरठ में जल्दी ही विधिवत तरीके से प्रेस क्लब खुलना चाहिए। प्रेस क्लब पत्रकारों के लिए केवल भवन नहीं, बल्कि उनकी आवाज, अधिकार और एकजुटता का प्रतीक है। प्रेस क्लब के संरक्षक इन्द्र मोहन आहूजा ने पत्रकारों से एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। वहीं दूसरे संरक्षक संतराम पांडे ने कहा कि पत्रकारों को एकजुट करने के लिए पत्रकार बिरादरी में से ही किसी को 'सरदार पटेल' बनकर आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि एकता के बिना पत्रकार समाज अपनी ताकत का प्रभावी उपयोग नहीं कर सकता। जन समाधान मीडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन शाकाल तथा शाहीन परवीन ने भी अपने विचार रखते हुए पत्रकारों की एकजुटता और मजबूत संगठन की आवश्यकता पर जोर दिया।

80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया

तमसा संकेत,संवाददाता

महावन। गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दुबई से पधारीं शिवानी सूरी रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि गोविंदानंद महाराज, हरदेवानंद और अशोक जोशी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद पूज्य महाराज और प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। विद्यालय के मुख्य द्वार पर गाइड कैप्टन अंजलि वर्मा के नेतृत्व में स्काउट एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट शैक्षणिक



उपलब्धि हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

पूज्य महाराज ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है तथा हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक विश्वविजय सिंह ने किया, जबकि स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मेरठ में 5 मिनट लेट आने पर पीटा था, लोग बोले- सोसाइटी से बाहर निकालेंगे

डिलीवरी बॉय को पीटने वाला यूको बैंक का मैनेजर गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में डिलीवरी बॉय की पिटाई करने वाले यूको बैंक मैनेजर यमन कंसल (34) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार रात डिलीवरी बॉय गंगा हाइट्स' सोसाइटी में ब्लिंकिट का ऑर्डर डिलीवर करने में 5 मिनट लेट हो गया था। इसी बात पर भड़के बैंक मैनेजर ने गाली-गलौज करते हुए डिलीवरी बॉय को लात-घूसों से बुरी तरह पीटा था। घर के अंदर ले जाकर अधमरा कर दिया था। उसका मोबाइल छीन लिया था। पत्नी से छेड़छाड़ के आरोप में जेल भिजवाने की धमकी दी थी। डिलीवरी बॉय किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकला था। अगले दिन यानी शनिवार सुबह पुलिस स्टेशन



पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने FIR दर्ज कर देर रात आरोपी बैंक मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। पूरे घटनाक्रम का CCTV भी सामने आया है। घटना के बाद सोसाइटी के लोगों का कहना है कि मैनेजर ने पूरी सोसाइटी को बदनाम किया है। अब वे उसे यहां नहीं रहने देंगे। मामला जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित गंगा नगर का है। घटना का साढ़े तीन

ब्लिंकिट के डिलीवरी बॉय अमित यादव ने बताया- करीब एक साल से डिलिवरी बॉय का काम कर रहा हूं। साथ में 12वीं की पढ़ाई भी करता हूं। शुक्रवार को ऑर्डर लेट होने पर कस्टमर का फोन आया था। मैंने कहा कि ऑर्डर 5 मिनट लेट है।

मिनट के CCTV में डिलिवरी बॉय अमित यादव गंगा हाइट्स



थाना भावनपुर पुलिस ने आरोपी यमन कंसल को अरेस्ट किया।

पीड़ित बोला- झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी

मैंने कहा कि आपके ऐप पर ऑर्डर लेट होने की वजह शो हो रही होगी। ऑर्डर पैक होते ही लेकर आ जाऊंगा। उन्होंने कहा- घर आ जा, फिर बताता हूं। अमित के मुताबिक, घर पहुंचते ही आरोपी ने उसका फोन भी छीन लिया। कहने लगा कि मेरी बीवी के साथ बदतमीजी कर रहा है। तेरे ऊपर रेप का केस लगा दूंगा। तूने उसे छेड़ा है।

बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 110 पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वह फ्लैट की बेल बजाता है। दरवाजा खुलने पर अंदर से बैंक मैनेजर यमन बाहर आता है। कहता है कि तमीज नहीं है तेरे को बात करने की। क्या कह रहा था कि वेट करो, ये करो, वो करो। अपने आप को तू क्या समझता है। ज्यादा बड़ा नबाव है। उतारू नबावी अभी। रिकार्डिंग विकार्डिंग सब निकाल दूंगा। एक मिनट में सब समझ जायगा।

मौतः हड्डी तक कटी, बाइक पर बैठे-बैठे जान गई, गाजियाबाद में हाईवे पर हादसा

युवक की चाइनीज मांझे से कटकर गर्दन लटकी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में चाइनीज मांझे से गर्दन कटने की वजह से एक युवक की मौत हो गई। वह शनिवार शाम बाइक से जा रहा था, तभी अचानक उसके गले में चाइनीज मांझा फंस गया। बाइक की रफ्तार तेज होने की वजह से उसकी गर्दन कट गई। सड़क पर खून फैल गया। पुलिस के मुताबिक, युवक अपने दोस्त के साथ बाइक से नोएडा से निकला था। दोनों दिल्ली के गाजीपुर जा रहे थे। रास्ते में नेशनल हाईवे-9 पर कौशांबी थाना क्षेत्र के पास हादसा हो गया। मांझा इतना धारदार था कि युवक के गर्दन की हड्डी तक कट गई। जिससे गर्दन लटक गई। पीछे बैठे दोस्त ने किसी तरह बाइक संभाली और चीख-पुकार मचाकर



आसपास के लोगों से मदद मांगी। इसके बाद उसने गमछे से युवक के गले को बांधा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चीनी मांझा चीन से नहीं आता। इसे प्लास्टिक मांझा भी कहा जाता है। चाइनीज मांझा सामान्य मांझे की तरह केवल धागों से नहीं बनाया जाता। इसे नायलॉन और मेटेलिक पाउडर से तैयार करते हैं। इसके बाद इस मांझे पर कांच या लोहे के चूरे से धार भी लगाई जाती है।

चाइनीज मांझे से हुईं 5 बड़ी घटनाएं...

■ लखनऊ-11 दिसंबर 2025: बाइक से अपने घर जा रहे युवक की गर्दन कट गई थी। डॉक्टरों ने गले में सात टांके लगाकर युवक की जान बचाई थी।

■ शाहजहांपुर- 23 अक्टूबर 2025: थाना कांट क्षेत्र के नगला जाजू निवासी रवि शर्मा (26) पत्नी के साथ ससुराल जा रहे थे। चाइनीज मांझा गर्दन में फंस गया। अस्पताल में मौत हो गई।

■ अलीगढ़- 30 सितंबर 2025: 28 साल के सलमान स्कूटर से दुकान जा रहे थे। जमालपुर पुल पर चाइनीज मांझा गर्दन में उलझा, गहरा कट लगा। अस्पताल ले जाया गया, जहां मौत हो गई।

■ गोरखपुर- 29 जुलाई 2025: अमित गुप्ता मां के साथ बाइक से धर्मशाला जा रहे थे। सूरजकुंड पुल पर मांझा गर्दन में फंसा, 4 नसें कट गईं। हेलमेट होने के बावजूद गंभीर चोटें आईं।

■ शाहजहांपुर- 11 जनवरी 2025: ड्यूटी पर जा रहे कांस्टेबल शाहरुख हसन चाइनीज मांझे की चपेट में आए। गर्दन पर तेज कट लगा, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

यूपी में कब से बैन है चाइनीज मांझा, क्यों खतरनाक?

● नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने साल 2017 में देश भर में नायलॉन या चाइनीज मांझे की खरीद, बिक्री, स्टोरेज और इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई थी। तब से ही यूपी में भी चाइनीज मांझा बैन है। इसके बावजूद बहुत से लोग इसे खरीदते-बेचते हैं। इस वजह से अक्सर हादसे होते हैं।

● यह सामान्य मांझे की तुलना में कई गुना धारदार होता है। यह आसानी से टूटता नहीं है। सामान्य मांझे से कई गुना तीखा होता है। इसकी वजह से पतंगबाजों की पतंगें आसानी से कट जाती हैं। लेकिन, इंसानों या जानवरों के हाथ-पैर पर लगने पर गंभीर चोटें आ सकती हैं।

किन-किन राज्यों में चाइनीज मांझा बैन है?

भारत में चीनी मांझा की बिक्री, भंडारण और उपयोग पर कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध मुख्य रूप से मानव और पशु सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है। दिल्ली में भी 2017 से चीनी मांझे पर बैन है। उसके बावजूद भी धड़ल्ले से बिक्री होती है।



विकास खंड बलदेव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने किया संबोधित, ग्राम सचिव सहित सभी कर्मचारी रहे मौजूद

तमसा संकेत,संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। विकास खंड कार्यालय बलदेव में 80वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने ध्वजारोहण कर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद करने का अवसर है। हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ आम लोगों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। सरकार की



जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी कर्मचारियों को पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर विकास खंड कार्यालय के ग्राम सचिवों सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम सचिवों सहित विकास खंड कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ।

मथुरा में दुकान पर खरीदारी कर रहे थे, 6 साल की बच्ची टॉफी लेकर घर जा रही थी

डंपर ने मां-बेटे सहित 3 को रौंदा, 2 की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में रविवार सुबह करीब 8 बजे तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से 20 साल के युवक और 6 साल की एक बच्ची की मौत हो गई। वहीं, युवक की मां गंभीर रूप से घायल हो गई। युवक अपनी मां के साथ बाइक से बाजार गया था और एक दुकान पर खड़ा था। वहीं, बच्ची टॉफी खरीदकर दुकान से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने तीनों को चपेट में ले लिया। घटना जिला मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर सदर बाजार थाना क्षेत्र की है। युवक और बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।



टक्कर लगते ही युवक और बच्ची की मौत

टक्कर लगते ही बाइक पर बैठे मां-बेटे सड़क पर गिर गए। वहीं, आयरा डंपर के पहिए के नीचे आ गई। चीख-पुकार सुनकर लोग उन्हें बचाने के लिए दौड़े। तब तक ड्राइवर डंपर छोड़कर भाग चुका था। लोगों ने देखा कि प्रशांत, उसकी मां गीता देवी और आयरा तीनों खून से लथपथ थे। प्रशांत और आयरा की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गीता देवी बेहोश थीं। लोग उन्हें तुरंत मिलिट्री अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।



डॉक्टर के मुताबिक, महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से नाराज लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया, जिसके बाद जाम खुल गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, डंपर को जब्त कर लिया गया है।

लोगों ने सड़क पर लगाया जाम

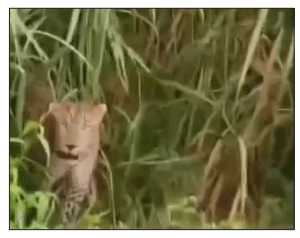
घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। नाराज लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना पर परिजन और पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने लोगों से घटना की जानकारी ली और आसपास की दुकानों के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। परिजनों ने आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने डंपर जब्त कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने जाम खोल दिया। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाले इमरान की 6 साल की बेटी आयरा वहां टॉफी खरीदने पहुंची। वह दुकान से टॉफी लेकर लौट रही थी। प्रशांत और उसकी मां बाइक पर बैठे थे। तभी तेज रफ्तार डंपर आया।

मुरादाबाद में तेंदुओं का आतंक

महिला को नोंच-नोंचकर मारा, 8 किसानों पर हमला, 4 पकड़े गए फिर भी दहशत

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में इन दिनों तेंदुओं का खौफ है। गांव से लेकर शहर तक तेंदुओं की टोली घूम रही है। उत्तराखंड से सटी मुरादाबाद की सीमा में एक महिला को तेंदुओं ने पंजों से नोंच-नोंचकर मार डाला। इलाके में हुई अलग-अलग घटनाओं में खेतों पर काम करने निकले 8 किसानों का मांस तेंदुए पंजों से खींच ले गए। इनमें से दो की हालत नाजुक है। वन विभाग के पिंजड़े में 4 तेंदुए फंस चुके हैं इसके बाद भी जिले में जहां-तहां तेंदुओं के हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। दिल्ली हाईवे पर शहर से सटी टीएमयू यूनिवर्सिटी के पास बने अंडरपास पर भी तेंदुआ शुक्रवार रात में 3 बजे टहलता नजर आया है। इससे शहर के बाहरी इलाकों में भी तेंदुए का खौफ पसर गया है। डरे सहमे लोगों को मुनादी के जरिए पुलिस प्रशासन अलर्ट कर रहा है। इक्का



दुक्का घरों से निकलने का परहेज करने की सलाह दी जा रही है। खेतों पर न जाने की हिदायत भी प्रशासन दे रहा है। तेंदुओं को पकड़ने के लिए 10 पिंजड़े पहले से लगे थे। डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने 20 और पिंजड़े तत्काल तैयार कराकर प्रभावित क्षेत्रों में लगवाने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। 3 अगस्त को ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में लालापुर पीपलसाना गांव में सुबह करीब 8:00 बजे खेत पर पशुओं का चारा लेने गई संतोष देवी को गन्ने के खेत में छिपे तेंदुए ने हमला करके पंजों से नोंच-नोंच-कर मार डाला। 4 से 11 अगस्त के बीच तेंदुओं ने ठाकुरद्वारा के गांव मलकपुर सेमली, बलिया और मुनीमपुर में किसानों पर हमले किए और उन्हें घायल कर दिया। इन हमलों में 5 किसान घायल हुए। 11 अगस्त को डिलारी में तेंदुए ने दो युवकों पर हमला किया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। 13 अगस्त को ठाकुरद्वारा के गांव लालापुर पीपलसाना में तेंदुओं ने घर में घुसकर हमला किया और किसान सुरेंद्र सिंह को हमला करके घायल कर दिया। 14 अगस्त को तेंदुओं ने एक ही दिन दो किसानों पर हमला किया। सुबह 10 बजे राईभूड़ गांव में गन्ने की पत्ती उतार रहे किसान ओमप्रकाश सिंह पर तेंदुए ने पीछे से हमला कर घायल कर दिया। इसी दिन शाम को 6 बजे सुरजन नगर चौकी क्षेत्र के बहापुर बलिया गांव में खेत में बाजरा काट रहे 55 वर्षीय किसान नरपत सिंह पर तेंदुए ने हमला किया और उनका चेहरा बुरी तरह नोच दिया।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ के सिनेमा हॉल में पार्किंग शुल्क को लेकर मारपीट

अलीगढ़। स्वतंत्रता दिवस की रात अलीगढ़ के थाना देहली गेट क्षेत्र स्थित एक सिनेमा हॉल में फिल्म खत्म होने के बाद पार्किंग शुल्क को लेकर युवकों के दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। युवकों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना 15 अगस्त की रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है।

जल्द मनकामेश्वर से आईएसबीटी तक दौड़ेगी मेट्रो

आगरा। आगरा में मेट्रो विस्तार का काम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। मनकामेश्वर से ISBT तक मेट्रो संचालन के लिए स्टेशन और ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। अब इस कॉरिडोर का सुरक्षा ऑडिट होना बाकी है। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (CMRS) जल्द ही अपनी टीम के साथ आगरा पहुंचकर पूरे कॉरिडोर का निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट करेंगे। ऑडिट पूरा होने के बाद मेट्रो संचालन शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपो-रेशन (UPMRC) ने आगरा मेट्रो के विस्तारित हिस्से के साथ कानपुर मेट्रो के विस्तार का भी लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराने की तैयारी की है।

साइबर ठग ने खाते से निकाले 5 लाख

आगरा। आगरा में साइबर ठगों ने बैंकिंग सिस्टम को चकमा देकर एक व्यक्ति के खाते से 5 लाख रुपये निकाल लिए। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित ने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग पहले ही बंद करा रखी थी। इसके बावजूद 12 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे खाते से रकम निकल गई। शमशाबाद रोड स्थित डी-54 अंसल टाउन निवासी नवीन कुमार शर्मा ने साइबर क्राइम थाना, पुलिस लाइन में शिकायत दर्ज कराई है।

बलदेव थाने के उप निरीक्षक सज्जन पाल सिंह को मिलेगा अति उत्कृष्ट सेवा पदक

तमसा संकेत, सवांददाता

मथुरा। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2026 के लिए जारी अति उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची में जनपद मथुरा के थाना बलदेव में तैनात उप निरीक्षक सज्जन पाल सिंह का नाम भी शामिल किया गया है। सेवा अभिलेखों के आधार पर प्रदान किए गए इस प्रतिष्ठित सम्मान से जनपद मथुरा के पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। उप निरीक्षक सज्जन पाल सिंह को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनके उत्कृष्ट कार्यों का प्रमाण है, बल्कि अन्य पुलिस कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। स्वतंत्रता दिवस



के अवसर पर मिली इस उपलब्धि से थाना बलदेव सहित पूरे जनपद में खुशी की लहर है। स्थानीय लोगों ने भी उप निरीक्षक सज्जन पाल सिंह को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्नी पर शक के चलते बेटी को मार डाला

आगरा में आरोपी पिता बोला- बेटी मेरी नहीं थी, पत्नी को भी मारने की कोशिश की

- रिंकू ने फोटो खींचने के बहाने पत्नी से बच्ची को लिया और यमुना में फेंक दिया।
- राहगीरों ने महिला की बातें सुनने के बाद आरोपी पति की जमकर पिटाई कर दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में 11 महीने की बेटी को यमुना में फेंककर हत्या करने वाले आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे पत्नी के चरित्र पर शक था। वह बेटी अपनी बच्ची नहीं नहीं मानता था। आरोपी ने पत्नी को भी मारने की साजिश रची थी। यमुना पुल पर फोटो खींचने के बहाने उसने पत्नी से बच्ची को लेकर नदी में फेंक दिया। इसके बाद उसने पत्नी को धक्का



देने की कोशिश की। पत्नी के शोर मचाने पर राहगीरों ने आरोपी को पकड़ लिया। राहगीरों ने पति के किसी तरह उसकी पत्नी को छुड़ाकर बचाया। राहगीरों ने महिला की बातें सुनने के बाद आरोपी पति की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना शुक्रवार दोपहर 3 बजे सिकंदरा के अकबरा पुल की है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। लक्ष्मी ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी का पहला जन्मदिन 17 अगस्त को था। उसे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि पति बेटी को मारने की साजिश रच रहा है।

फोटो खींचने के बहाने बच्ची को नदी में फेंका

बलदेव के बादमगढ़ी गांव निवासी रिंकू शुक्रवार को पत्नी लक्ष्मी और 11 माह की बेटी के साथ बाइक से आगरा के लिए निकला था। उसने पत्नी से बच्ची के लिए कपड़े खरीदने की बात कही थी। सिकंदरा के अकबरा पुल पर पहुंचने के बाद फोटो खींचने के बहाने उसने पत्नी से बच्ची को लिया और यमुना में फेंक दिया। इसके बाद रिंकू ने पत्नी को भी नदी में धक्का देने की कोशिश की। लक्ष्मी के शोर मचाने पर आसपास मौजूद राहगीर मौके पर पहुंचे और उसे बचाया। महिला ने जब पूरी घटना बताई तो लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

6-7 महीने से चल रहा था पति-पत्नी में विवाद

पुलिस के मुताबिक, रिंकू और लक्ष्मी के बीच पिछले 6-7 महीने से विवाद चल रहा था। लक्ष्मी ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। विवाद के चलते वह करीब छह महीने तक मायके में रही और करीब 20 दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। लक्ष्मी का आरोप है कि रिंकू बेटी के जन्म से खुश नहीं था और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। बाद में उसे पत्नी के चरित्र पर शक होने लगा और वह बच्ची को भी अपना नहीं मानने लगा।



एएसपी (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत को मिलेगा 'मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस'

तमसा संकेत, सवांददाता

मथुरा। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए गौरव का क्षण सामने आया है। मथुरा में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के पद पर तैनात सुरेश चंद्र रावत को उनकी उत्कृष्ट, सराहनीय और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (एमएस-एम)' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान उनकी सेवा के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों और पुलिस विभाग के प्रति समर्पण को देखते हुए दिया जा रहा है। सुरेश चंद्र रावत को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिलने की घोषणा से मथुरा पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे उनके साथ-साथ पूरे जनपद के पुलिस महकमे के लिए गौरव की उपलब्धि बताया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर



मिलने वाला यह सम्मान पुलिस सेवा में उनके योगदान को नई पहचान देगा। सम्मान की घोषणा के बाद जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार समेत जिले के अन्य अधिकारियों ने अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत को बधाई दी। अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मान से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की प्रेरणा मिलती है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत लंबे समय से पुलिस विभाग में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन की सुरक्षा और पुलिसिंग को प्रभावी बनाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उनकी कार्यशैली में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना को प्रमुखता दी जाती रही है। मेरिटोरियस सर्विस मेडल पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय सेवाओं को सम्मानित करने वाला प्रतिष्ठित पदक है। इस सम्मान की घोषणा पुलिस विभाग में अधिकारी के सेवा रिकॉर्ड और उल्लेखनीय योगदान के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है।

सपा का सियासी सफर कमजोर

गठन के बाद सिर्फ दो बार जीती, ज्यादातर चुनावों में तीसरे-चौथे नंबर पर रही

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। समाजवादी पार्टी लगातार भाजपा को घेरने में जुटी है। सड़क से संसद तक पार्टी सत्ता के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। हालांकि, आगरा की सियासी जमीन सपा के लिए कभी मुफीद नहीं रही। पार्टी के गठन के बाद से अब तक आगरा की विधानसभा सीटों पर सपा प्रत्याशी सिर्फ दो बार ही जीत दर्ज कर सके हैं। ज्यादातर चुनावों में पार्टी प्रत्याशी तीसरे या चौथे स्थान पर ही संघर्ष करते नजर आए हैं। पिछले दो विधानसभा चुनावों में जरूर कुछ सीटों पर सपा प्रत्याशी मुकाबले में दिखाई दिए। आगरा में कुल नौ विधानसभा सीटें हैं। इनमें से किसी भी सीट पर सपा अब तक अपने सियासी समीकरण मजबूत नहीं कर सकी है। 1993 और 2012 के विधानसभा चुनाव को छोड़ दें, तो पार्टी को किसी अन्य चुनाव में यहां जीत नहीं मिली। 2012 में बाह



विधानसभा सीट से अरिदमन सिंह की जीत में उनकी व्यक्तिगत छवि और मजबूत पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि की अहम भूमिका रही। अरिदमन सिंह इससे पहले दो बार भाजपा और तीन बार जनता दल के टिकट पर लगातार विधायक चुने जा चुके थे। ऐसे में उनकी व्यक्तिगत पकड़ को सपा की जीत का प्रमुख आधार माना गया। सपा का गठन 4 अक्टूबर 1992 को हुआ। इसके बाद से ये पार्टी 7 विधानसभा चुनाव में मैदान में उतर चुकी है। 2022 में रालोद और 2017 में कांग्रेस गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा।

2017 के चुनाव में आगरा में सपा+कांग्रेस की स्थिति

7 सीटों पर तीसरे नंबर पर रहे

1 सीट पर चौथे नंबर पर रहे

1 सीट पर दूसरे नंबर पर रहे

2022 के चुनाव में सपा+रालोद की स्थिति

5 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे

3 सीटों पर तीसरे नंबर पर रहे

1 सीट पर चौथे नंबर पर रहे

पार्टी प्रत्याशी 2022 के चुनाव से पहले तीसरे-चौथे नंबर पर ही पसीना बहाते नजर आए थे।

2022 के चुनाव में आगरा में नंबर दो की स्थिति

सपा+रालोद गठबंधन 5 सीटों पर

बसपा 3 सीटों पर

कांग्रेस 1 सीट पर

आगरा में सपा की स्थिति

आगरा में सपा अब तक दो बार चुनाव जीती है

1993 में एत्मादपुर सीट से चंद्रभान मौर्य चुनाव जीते

2012 में बाह सीट से अरिदमन सिंह चुनाव जीते

पृष्ठ 01 का शेष...

सरकार के खिलाफ...

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्रों से बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। इन छात्रों ने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। राहुल और छात्रों के बीच यह बातचीत 5 अगस्त को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो उन्होंने आज शेयर किया है। राहुल ने एक छात्रा से पूछा कि आप लोग प्रदर्शन में क्यों शामिल हुए? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर हर कोई अपने इशू के लिए अलग-अलग आवाज उठाएगा तो कोई समाधान नहीं निकलेगा। हमें इन जनरल लोगों की समस्याओं को समझना होगा। इस साल ऐसे ही पेपर लीक हुआ। उत्तर प्रदेश में एजुकेशन सिस्टम के हालात बहुत खराब हैं। वहां सिर्फ मंदिर-मस्जिद ही मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि 20 जुलाई को हम पर बुरी तरीके से लाठीचार्ज किया गया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने यह भी कहा कि मुझे 7 लाठियां मारी गईं। पुलिस ने हमें देशद्रोही कहा। इसके बाद राहुल ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो अपने आस-पास गलत होते देखते हैं लेकिन आवाज नहीं उठाते हैं। मैं उसे राष्ट्रवाद नहीं मानता। मेरी नज़र में यह गलत है। जो आप लोगों ने किया वो हकीकत में राष्ट्रवाद है। दरअसल, 31 जुलाई की रात पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा था कि जंतर-मंतर पर कुछ बच्चों ने मुझे और मेरी मां को गालियां दीं। लेकिन मैं इन्हें माफ करना चाहता हूं। राहुल गांधी ने 5 अगस्त को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया। राहुल अपने साथ चार प्रदर्शनकारी छात्र और छात्राओं को मीडिया के सामने लाए थे। एक छात्रा ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर हमें देशद्रोही कहा गया। हम शांति से चल रहे थे तो एक पुलिस अफसर ने शरीर के ऊपरी हिस्से पर मारा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP ने 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक और युवा आंदोलन में शामिल हुए। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और भूख हड़ताल पर बैठे। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

जेपीएससी...

कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कोई निर्णायक कदम उठाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आंदोलनकारी छात्रों का आरोप है कि उनकी मांगों को लेकर सरकार की ओर से केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं और वास्तविक स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। छात्रों का कहना है कि लंबे समय से आंदोलन चलने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। छात्र नेताओं ने कहा कि अब उन्हें लगता है कि उनके साथ केवल छलावा किया जा रहा है। इसी कारण उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ राहुल गांधी का भी पुतला दहन करने का निर्णय लिया है। छात्रों का कहना है कि यह प्रदर्शन उनके असंतोष और सरकार के प्रति नाराजगी को सामने रखने का माध्यम होगा। JPSC-JSSC परीक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पांच छात्र अब भी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें से तीन छात्रों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद छात्र वहीं अपना अनशन जारी रखे हुए हैं। अस्पताल में भूख हड़ताल कर रहे छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल परिसर में पुलिस बल की तैनाती की गई है। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीते 14 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा में शामिल होकर झंडा फहराना चाहते थे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें अस्पताल से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान छात्र नेता और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। प्रशासन की ओर से कहा गया कि देवेंद्रनाथ महतो की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें अस्पताल से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों के मुताबिक लंबे समय से भूख हड़ताल पर रहने के कारण उनकी सेहत को लेकर सावधानी बरती जा रही है। देवेंद्रनाथ महतो ने बताया कि रांची सदर अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। उनके अनुसार अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर ICU तक बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों की नियमित मेडिकल जांच की जा रही है। छात्रों का कहना है कि स्वास्थ्य संबंधी स्थिति गंभीर होने के बावजूद उनकी मांगों पर सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने सरकार से परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों का जवाब देने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग दोहराई है। दुमका से तिरंगा यात्रा में शामिल होने रांची पहुंचे छात्र नीरज कुमार ने भी सरकार पर छात्रों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय चाहिए, लेकिन सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर रही है। नीरज कुमार ने आरोप लगाया कि परीक्षा में हुई कथित धांधली के मामले में कई लोग शामिल हैं। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि सरकार का संचालन ब्यूरोक्रेसी के स्तर से किया जा रहा है। इससे पहले शुक्रवार शाम आंदोलनकारी छात्रों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पूर्व डिप्टी स्पीकर...

घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं पार्टी के सभी गलत कामों को हमेशा स्वीकार नहीं कर पाता था, लेकिन मैं विरोध भी नहीं कर सका। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में काम के बदले एक पैसा भी नहीं लिया है। आशीष बनर्जी टीएमसी के पूर्व विधायक भी थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बंगाल सरकार में मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा- 'यह आत्महत्या है या हत्या, इसकी जांच पुलिस करेगी। मैं आज भी कहूंगी कि तृणमूल कांग्रेस में सभी लोग खराब नहीं हैं। शायद 0.00001% अच्छे लोग अब भी वहां हैं, जो बोल नहीं सके और विरोध नहीं कर सके। TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- जीवनभर शिक्षक और जनसेवक रहे आशीष दा ने ईमानदारी, सम्मान और सादगी के साथ लोगों की सेवा की। वे रामपुरहाट और पूरे बीरभूम के सम्मानित लोगों में थे। उनके अंतिम नोट में लंबे समय से चले कथित बदनाम करने के अभियान को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। हम रोज मिलते थे। रात तक भी कुछ असामान्य नहीं लगा था। वे दिनभर ऑफिस में थे। झंडा फहराया गया था और सब कुछ सामान्य था।

बंगाल में कांग्रेस नेता...

पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें हरनगर से TMC की पंचायत हेड फातिमा बीवी और साहेब अली मंडल और मिथुन शेख शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि हत्या में TMC के नेता जुबेर शेख का हाथ है। जुबेर इस वक्त जेल में है और वहीं से मारने का प्लान बनाया था। मृतक के परिजन ने स्थानीय टीएमसी नेता जुब्बार शेख और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक रंजिश के तहत इस हत्या को अंजाम देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए घटना की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग की। पूर्व लोकसभा सांसद ने फेसबुक पर लिखा, मैं नादिया के कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम मैचों में टेस्ट जीतने वाली एशियन टीम, कंगारुओं को उनकी धरती पर पहली बार हराया

बांग्लादेश ने भारत-पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में 9 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह उसकी पहली टेस्ट जीत है। बांग्लादेश ने 57 रन का टारगेट चौथे दिन दूसरे सेशन में 9 विकेट रहते हासिल कर लिया।

इससे पहले बांग्लादेश ने 2003 में ऑस्ट्रेलिया में दो टेस्ट खेले थे, लेकिन दोनों में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

अब 3 टेस्ट में पहली जीत दर्ज कर बांग्लादेश ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम मैचों में टेस्ट जीतने वाली एशियन टीम बन गई है। पाकिस्तान ने 7 और भारत ने 12 टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि श्रीलंका 15 टेस्ट के बाद भी जीत का



इंतजार कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने डार्विन में गुरुवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम की पहली पारी 198 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट चटकाए।

जवाब में बांग्लादेश ने पहली पारी में 426 रन बनाए। तंजिद हसन ने 101 रन की शानदार पारी खेली। यह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर किसी बांग्लादेशी बल्लेबाज का पहला टेस्ट शतक था। नजमुल हुसैन शांतो ने 84 रन, जबकि मेहदी हसन मिराज ने 65 रन बनाए। इस तरह बांग्लादेश ने पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया पर 228 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 198 रन पर आउट होने के कारण बांग्लादेश से 228 रन पीछे थी। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी के स्कोर 161/4 से आगे खेलना शुरू किया और 284 पर ऑलआउट हो गई। ऐसे में बांग्लादेश को 57 रन का टारगेट मिला। दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने 4 चौके और एक छक्के की मदद से 201 गेंदों पर 104 रन बनाए। ग्रीन के टेस्ट करियर का ये तीसरा शतक रहा। मेहदी हसन मिराज ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने एलेक्स कैरी को 30 रन पर लिटन दास के हाथों कैच कराया, इसके बाद बो वेबस्टर को 12 रन पर बोल्ड किया।

> बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक सात टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 5 मैचों में जीत हासिल की। जबकि बांग्लादेश ने दो मुकाबले जीते। टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा।

हसन महमूद प्लेयर ऑफ द मैच

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत के हीरो तेज गेंदबाज हसन महमूद और ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज रहे। महमूद ने मैच में कुल 9 विकेट चटकाए, जबकि मिराज ने 65 रन बनाने के साथ 5 विकेट भी अपने नाम किए।



भारत को कभी नहीं हरा पाया है बांग्लादेश

भारत के खिलाफ बांग्लादेश का टेस्ट रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 15 टेस्ट खेले गए हैं, जिनमें बांग्लादेश एक भी मैच नहीं जीत सका है। भारत ने 13 मुकाबले जीते हैं, जबकि 2 टेस्ट ड्रॉ रहे।

फिर पैट कमिंस को 9 रन पर शॉर्ट लेग में कैच कराया। ग्रीन के 104 रन के शतक के बाद मेहदी ने उनकी पारी भी खत्म की और आखिर में नाथन लायन को 15 रन पर LBW कर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 284 रन पर समेट दी।

गॉल टेस्ट से पहले टीम इंडिया ने झंडा फहराया

19 मैच बाद नंबर-3 पर भारतीय का शतक

गॉल, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है। 15 अगस्त को पहले दिन का खेल शुरू होने से पहले टीम इंडिया ने झंडा फहराया। स्टंप्स तक इंडिया ने 2 विकेट पर 288 रन बना लिए हैं। देवदत्त पडिक्कल 131 और ऋषभ पंत 27 रन पर नाबाद हैं।

नंबर-3 पर 19 मैच के बाद किसी भारतीय ने शतक लगाया है। इससे पहले केएल राहुल (77 रन) क्रैम्प के कारण दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारतीय कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल तिरंगा फहराया। टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने राष्ट्रगान गाया। BCCI ने इस खास पल का वीडियो भी शेयर किया।

9.5 ओवर में प्रभात जयसूर्या की



गेंद पर केएल राहुल ने स्वीप शॉट खेला। गेंद शॉर्ट लेग पर खड़े निशान फर्नांडो के हेलमेट के बीचों-बीच जा लगी और डिफ्लेक्ट होकर फाइन लेग की ओर चली गई। रन पूरा होते ही राहुल तुरंत निशान का हाल जानने पहुंचे। फिजियो ने मैदान पर उनकी जांच की, जिसके बाद निशान को मैदान से बाहर ले जाया गया।

लंच के समय बारिश शुरू होने के कारण खेल रोक दिया गया। खिलाड़ी मैदान से बाहर लौट गए और बारिश रुकने का इंतजार किया गया। इसी वजह से लंच के बाद खेल शुरू होने में देरी हुई।

आयरलैंड को 6 विकेट से अफगानिस्तान ने हराया

299 रन का अपना सबसे बड़ा वनडे चेज किया

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस



जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था।

299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।

इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया।

रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।

इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे।

अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।

सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में छोड़ा, कप्तान को ग्रीन कार्ड, इंग्लैंड ने 4-1 से हराया

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई।

इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया।

इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी



पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा।

किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान



पूर्व कप्तान ने कहा- यह 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड'

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।

उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है।

अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।

पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

पाकिस्तान की टीम 2018 के बाद पहली बार हॉकी वर्ल्ड कप खेल रही है। 2023 का वर्ल्ड कप टीम ने मिस किया था।

मनोरंजन

'आवारापन 2' ने दूसरे दिन 33.75 करोड़ कमाए

कुल कमाई 72.90 करोड़ हुई, 'बंटवारा 1947' के कलेक्शन में भी उछाल





मुंबई। सनी देओल स्टारर फिल्म 'बंटवारा 1947' को बॉक्स ऑफिस पर 14 अगस्त को रिलीज हुई 'आवारापन 2' से कड़ी टक्कर मिल रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, 'आवारापन 2' ने रिलीज के दूसरे दिन 33.75 करोड़ नेट का कलेक्शन किया। इसके साथ भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 55.75 करोड़ और वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 72.90 करोड़ पहुंच गया है। वहीं, 'बंटवारा 1947' ने दूसरे दिन 13.50 करोड़ नेट कमाए। फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 19.25 करोड़ और वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 26.41 करोड़ हो गया है।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, करण देओल और अभिमन्यु सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर फिल्म की कमाई में दूसरे दिन उछाल देखने को मिला।



बोलीं- शरीर के साथ इंसानों जैसा बर्ताव करें, यह मशीन नहीं है

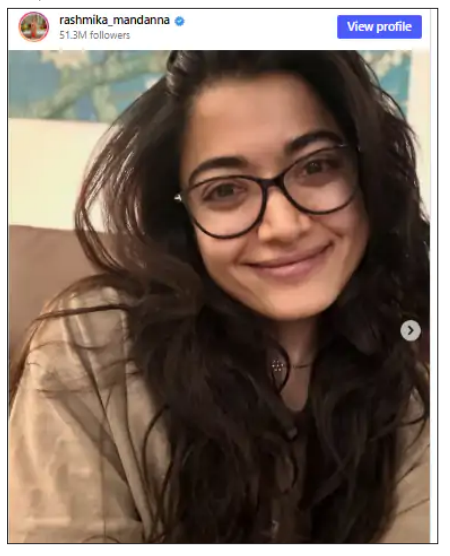
हिप इंजरी के बाद छलका रश्मिका मंदाना का दर्द

नई दिल्ली। साउथ और बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों हिप इंजरी से रिकवर कर रही हैं। फिल्म 'मायसा' की शूटिंग के दौरान डांस सीक्वेंस करते वक्त उन्हें चोट लगी थी। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी हेल्थ का अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि वह पहले से बेहतर हैं और इस ब्रेक में परिवार के साथ वक्त बिता रही हैं।

रश्मिका ने पहले बताया था कि उनके दाहिने हिप को पैर से जोड़ने वाला एक टेंडन अलग हो गया था। इसे दोबारा जुड़ने के लिए रिकवरी और आराम की जरूरत है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मायसा' के डांस सीक्वेंस के दौरान वह फिसल गई थीं। यह उनके करियर की सबसे ज्यादा एग्रेसिव और फिजिकल फिल्मों में से एक बताई जा रही है।

रश्मिका ने कहा था कि यह लगातार तीसरी इंजरी है। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें अपने शरीर को मशीन की तरह नहीं, बल्कि इंसानी शरीर की तरह ट्रीट करना चाहिए। चोट के बाद वह वर्कआउट और रनिंग से दूर हैं। रिकवरी के दौरान वह पजल्स जैसी चीजों में खुद को व्यस्त रख रही हैं।

हालिया हेल्थ अपडेट में रश्मिका ने बताया कि लगातार भागदौड़ वाली जिंदगी के बीच अचानक रुकना शुरुआत में उन्हें डरावना लगा। लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि जिंदगी में कभी-कभी धीमा होना जरूरी है। उन्होंने फैंस की दुआओं और पॉजिटिविटी के लिए आभार



जताया। एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने भी उनकी पोस्ट पर कमेंट कर तबीयत पूछी, जिसके जवाब में रश्मिका ने कहा कि अब वह बेहतर हैं। रश्मिका की चोट का असर उनकी सेहत के साथ दूसरे प्रोजेक्ट्स के शेड्यूल पर भी पड़ा है। विजय देवरकोंडा के साथ उनकी फिल्म 'रणाबाली' पहले सितंबर 2026 में रिलीज होने वाली थी।

ओवरसाइज्ड ब्लू शर्ट और वाइड-लेग जींस में दिखा एक्ट्रेस का स्टाइलिश लुक

प्रेग्नेंट दीपिका को एयरपोर्ट छोड़ने पहुंचे पति रणवीर

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण शनिवार रात मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इस दौरान वह ब्लू आउटफिट में नजर आईं। दीपिका को एयरपोर्ट छोड़ने रणवीर भी पहुंचे थे। इस दौरान रणवीर कार में बैठे नजर आए। प्रेग्नेंट दीपिका ने ओवरसाइज्ड लाइट ब्लू शर्ट के साथ ढीली और वाइड-लेग ब्लू जींस पहनी थी। दोनों आउटफिट का टोन एक जैसा था, जिससे उनका लुक कोऑर्डिनेटेड नजर आया।

शर्ट में क्लासिक कॉलर, बटन-डाउन फ्रंट और फुल स्लीव्स थीं। उन्होंने ढीली शर्ट के साथ फिटेड बॉटम पहनने के बजाय वाइड-लेग डेनिम चुनी, जो पैरों पर ढीली थी।

दीपिका ने लुक को व्हाइट



स्नीकर्स के साथ पूरा किया। उन्होंने डार्क लेदर शोल्डर बैग और ब्राउन-टिंटेड सनग्लासेस पहने थे। मेकअप सिंपल रखा और बालों को स्लीक बन में बांधा। उनके ग्रीन मैनीक्योर ने लुक में रंग का टच जोड़ा। बता दें कि दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी दुआ के जन्म की जानकारी दी थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'वेलकम बेबी गर्ल। 8-9-2024। दीपिका और रणवीर।'इससे पहले फरवरी 2024 में दीपिका ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दोनों की लव स्टोरी 2013 में फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के सेट से शुरू हुई थी। कई सालों तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों ने 2018 में इटली में शादी की थी।

अप्रैल में की थी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट

दीपिका और रणवीर सिंह दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। कपल ने 19 अप्रैल को दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दीपिका और रणवीर के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनकी बेटी दुआ की एक तस्वीर शेयर की गई थी, जिसमें बेटी ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है, जो पॉजिटिव रिजल्ट दिखा रहा है। तस्वीर में रणवीर बेटी को गोद में लिए हुए हैं, हालांकि उनका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था। वहीं, तस्वीर में दुआ का आधा चेहरा नजर आ रहा था।



56 के हुए सैफ अली खान डायरेक्टर को न्यूड होने को कहा

मुंबई। 90 का दशक था। मुंबई की सड़क पर दो गाड़ियां अचानक आमने-सामने आ गईं। एक कार में एक युवा एक्टर अपनी पार्टनर और दोस्त के साथ बैठा था। तभी दूसरी कार के ड्राइवर ने अचानक गलत मोड़ ले लिया। एक्टर ने उसे गुस्से में इशारा किया।

बात इतनी बढ़ी कि दोनों गाड़ियों के लोग सड़क पर उतर आए। कुछ ही देर में सड़क पर हाथापाई शुरू हो गई। लड़ाई के दौरान दोनों ने गुस्से में एक-दूसरे को दांतों से काट लिया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। कुछ देर पहले तक एक-दूसरे से भिड़ रहे दोनों लोग अचानक हंसने लगे और फिर एक-दूसरे को गले लगा लिया।

सैफ अली खान का बचपन किसी आम स्टारकिड जैसा नहीं था। पिता मंसूर अली खान पटौदी भारतीय क्रिकेट के बड़े नाम थे और मां शर्मिला टैगोर हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री, लेकिन सैफ के



बचपन का एक ऐसा दौर भी रहा, जब उनकी मां चाहकर भी उनके साथ उतना वक्त नहीं बिता पाती थीं, जितना एक मां अपने बच्चे के साथ बिताना चाहती है।

सैफ के जन्म के बाद के कुछ सालों में शर्मिला अपने करियर के बेहद व्यस्त दौर में थीं। वह दिन में दो-दो शिफ्ट में काम करती थीं। एक शिफ्ट सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक चलती थी।

लेकिन शर्मिला यह भी मानती हैं कि सैफ की परवरिश में वह अकेली नहीं थीं। उनके पति मंसूर अली खान पटौदी और आसपास के लोगों ने इस दौरान उनका साथ दिया।

बातचीत का नतीजा नहीं निकलने से सहयोगी देशों की बेचैनी बढ़ी, युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका लगातार उनके संपर्क में

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रम्प से नाराज

इनकार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों को लग रहा है कि लंबे समय से बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई पक्का समझौता नहीं हो पाया है।

हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के ट्रम्प से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रम्प के खाड़ी देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका लगातार उनके संपर्क में है। कतर ने ईरान, अमेरिका और ओमान के बीच बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। कतर के अधिकारियों ने ट्रम्प को बताया था कि ईरान ने होर्मुज को लेकर एक प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अमेरिका और ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट अहम मुद्दा बना हुआ है। ट्रम्प चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत और पूरी तरह खोला जाए। वहीं, ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और ईरान के पास तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे।





> एक्सियोस के मुताबिक, ट्रम्प ने पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिका फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ "आधी-अधूरी बातचीत" कर रहा है और वहां के खराब आर्थिक हालात पर नजर रख रहा है। इससे पहले ट्रम्प ने ईरान पर होने वाला एक हमला भी रोक दिया था। उनका कहना था कि अगर जल्द समझौता हो जाता है तो सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ईरान को लेकर खाड़ी देशों का रुख अलग-अलग

अमेरिका के सहयोगी होने के बावजूद खाड़ी देश ईरान से निपटने के तरीके पर एकमत नहीं हैं। संयुक्त अरब अमीरात ईरान पर ज्यादा सैन्य दबाव बनाने के पक्ष में है। उसका मानना है कि ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड तभी पीछे हटेगा, जब अमेरिका सैन्य दबाव बढ़ाए और होर्मुज पर नियंत्रण सुनिश्चित करे। वहीं, सऊदी अरब बातचीत और तनाव कम करने के पक्ष में है। उसने पहले होर्मुज को सैन्य ताकत से खोलने की अमेरिकी योजना का विरोध किया था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी ट्रम्प से फोन पर बात कर सैन्य कार्रवाई नहीं करने की अपील की थी।

ईरान का आरोप- अमेरिका और इजराइल खाड़ी देशों को हमारे खिलाफ कर रहे

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और इजराइल खाड़ी देशों को ईरान के खिलाफ करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा कि दोनों देश ईरान की अंदरूनी समस्याओं का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने पर भी जोर दिया।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ कंटेंट क्रिएशन कोर्स

अब डिग्री लेकर बन सकेंगे इन्फ्लुएंसर

वाशिंगटन, एजेंसी



सोशल मीडिया के दौर में कंटेंट क्रिएशन अब सिर्फ शौक नहीं, बल्कि करियर का विकल्प भी बनता जा रहा है। युवाओं के बीच इन्फ्लुएंसर बनने की बढ़ती चाहत को देखते हुए अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी (ASU सहित कई प्रमुख संस्थानों ने पोडकास्टिंग, स्टूडियो प्रोडक्शन और ऑन-कैमरा प्रेजेंस जैसे विषयों के साथ बैचलर्स डिग्री और सर्टिफिकेट प्रोग्राम लॉन्च किए हैं। अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी (ASU) ने हाल ही में 'कंटेंट क्रिएशन के लिए डिग्री कोर्स शुरू हो गया। यह कोर्स उन युवाओं के लिए है, जो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, डिजिटल स्टोरीटेलर या प्रोफेशनल कंटेंट क्रिएटर बनना चाहते हैं। इसे वाल्टर क्रोनकाइट स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के जरिए ऑफर किया जा रहा है। इसका करिकुलम ASU की मास कम्युनिकेशन और मीडिया स्टडीज डिग्री से काफी मिलता-जुलता है, लेकिन इसमें पॉडकास्टिंग, स्टूडियो प्रोडक्शन और ऑन-कैमरा मौजूदगी जैसे खास ऑप्शनल सब्जेक्ट्स (इलेक्टिव्स) शामिल हैं। हालांकि, इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया है, एक तरफ जहां कुछ विशेषज्ञ इसे डिजिटल दौर का जरूरी करियर मान रहे हैं, वहीं आलोचक 20 अरब डॉलर से अधिक की इस इंडस्ट्री में डिग्री की वास्तविक उपयोगिता और नौकरियों की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

इलायची के विज्ञापन पर शाहरुख-अजय और टाइगर को नोटिस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। FDA का आरोप है कि 'विमल इलायची' के विज्ञापन के जरिए राज्य में प्रतिबंधित 'विमल पान मसाला' का इनडायरेक्ट प्रचार किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, FDA ने 11 अगस्त को तीनों को नोटिस भेजकर विज्ञापन में उनकी भूमिका पर 15 दिन में जवाब और स्पष्टीकरण मांगा है।

सो रहे पोलर बियर को जहाज के हॉर्न से जगाया

ओस्लो। जहाज चलाने वाले एक व्यक्ति पर 50,000 नॉर्वेजियन क्रोनर (लगभग 4.5 से 5 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया। उस पर यह जुर्माना नाव के फॉगहॉर्न का इस्तेमाल करके सो रहे पोलर बियर को जगाने के कारण लगाया गया। यह घटना इस महीने की शुरुआत में स्वालबार्ड के तट पर हुई। स्वालबार्ड नॉर्वे का एक दूर-दराज का द्वीप समूह है, जो उत्तरी ध्रुव से लगभग 620 मील दूर स्थित है। एक स्थानीय फ्योर्ड (समुद्री खाड़ी) से गुजरते समय जहाज पर मौजूद लोगों ने किनारे पर आराम कर रहे एक पोलर बियर) को देखा।

बस पलटने से 12 लोगों की मौत

बुडापेस्ट। पूर्वी हंगरी के मेजोकेरेजटेस शहर के पास M3 मोटरवे पर रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पोलैंड के पर्यटकों को ले जा रही एक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिरकर पलट गई। इस भीषण हादसे में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कम से कम 10 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

यूक्रेन के भगोड़े कमांडर की खौफनाक मौत!

रशियन एस्कॉर्ट ने कचरे के डिब्बे में छिपाया था बम



मॉस्को। रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में यूक्रेन के एक भगोड़े और क्रेमलिन के काला सागर बेड़े के 49 वर्षीय कमांडर रॉबर्ट शागेव की कचरे के डिब्बे में हुए भीषण बम विस्फोट में मौत हो गई। रूसी अधिकारियों ने इस हत्या के आरोप में रशियन एस्कॉर्ट 32 वर्षीय मार्गरीटा रियूट नाम की महिला को गिरफ्तार किया है।

'द टेलीग्राफ' द्वारा उद्धृत और सुरक्षा सेवाओं से जुड़े टेलीग्राम चैनलों के अनुसार, आरोपी मार्गरीटा रियूट ने कमांडर शागीव के पास स्थित एक कूड़ेदान में आईईडी (विस्फोटक उपकरण) छिपाया था। जैसे ही शागीव सीढ़ियों से नीचे उतरा, उसमें जोरदार धमाका हुआ और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कचरे के डिब्बे में हुआ यह विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास रहने वाले लोगों ने इसे किसी इमारत पर हुआ ड्रोन हमला समझ लिया था। रूस के 'ई2डब्ल्यू न्यूज' के मुताबिक, रूसी अधिकारियों ने रियूट पर आतंकवाद के जरिए हत्या करने का आरोप दर्ज किया है। पूछताछ में उसने कथित तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लिया है, जिसके बाद अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

वहीं, जांच एजेंसियों की रिपोर्टों में इस पूरे हत्याकांड के तार यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है। रॉबर्ट शागीव एक यूक्रेनी नौसेना अधिकारी था, जो 2014 में क्रीमिया के विलय के बाद रूस भाग गया था।

घर में बेहोश मिले, रिसर्च में नकल के आरोपों के बाद यूनिवर्सिटी से इस्तीफा दिया था

कैम्ब्रिज के सबसे कम उम्र के ब्लैक प्रोफेसर की मौत

परिवार बोला- गलत जानकारी के अभियान ने उन्हें बहुत परेशान किया

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के सबसे कम उम्र के अश्वेत प्रोफेसर रहे जेसन अर्डे का 41 साल की उम्र में निधन हो गया। वे शिक्षा और समाज से जुड़े विषयों पर रिसर्च और अध्यापन करते थे।

शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे उन्हें दक्षिण लंदन के बैटरसी स्थित उनके घर में बेहोश पाया गया। एंबुलेंस टीम ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, उनकी मौत अचानक हुई। अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे मौत को संदिग्ध माना जाए। पुलिस परिवार के संपर्क में है और मामले की जांच कर रही है। अर्डे ने 2015 में ब्रिटेन की लिवरपूल जॉन मूर्स यूनिवर्सिटी से पीएचडी की थी। इस दौरान उन्होंने एक रिसर्च रिपोर्ट लिखी थी। बाद में उनकी रिसर्च के कुछ हिस्सों पर आरोप लगे कि उन्होंने दूसरे लोगों के लिखे काम को बिना उचित श्रेय दिए अपनी रिसर्च में इस्तेमाल किया। आसान भाषा में कहें तो उन पर रिसर्च में नकल करने का आरोप लगा था। अर्डे ने इन आरोपों को गलत बताया था। इसके बाद उनकी कुछ दूसरी रिसर्च में भी गलतियां होने के आरोप लगाए गए। अर्डे की कैम्ब्रिज में नियुक्ति को लेकर भी विवाद हुआ था। कुछ लोगों ने आरोप लगाया था कि उन्हें उनकी योग्यता के बजाय यूनिवर्सिटी की विविधता बढ़ाने वाली नीति के तहत नौकरी दी गई। इसका मतलब है कि अलग-अलग समुदायों और कम प्रतिनिधित्व वाले लोगों को संस्थानों में बराबर मौके दिए जाएं और उनकी भागीदारी बढ़ाई जाए। हालांकि, ब्रिटेन की शिक्षक यूनियन के नेता डेनियल कबेडे ने अर्डे का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि अर्डे को सार्वजनिक रूप से बहुत बुरी तरह निशाना बनाया गया। उन्होंने ब्रिटिश मीडिया और दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के एक वर्ग पर अर्डे के खिलाफ नस्लवादी अभियान चलाने का आरोप लगाया था।





जेसन अर्डे ने 2012 में लंदन में सटन और मर्टन के बीच ओलंपिक टॉर्च रिले में ओलंपिक मशाल लेकर हिस्सा लिया था।

मौत से कुछ दिन पहले ही कैम्ब्रिज से दिया था इस्तीफा

जेसन अर्डे ने 5 अगस्त को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इस्तीफा दिया था। यह फैसला उनकी कुछ रिसर्च को लेकर उठे सवालों के बीच आया था।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने उनकी नियुक्ति और यूनिवर्सिटी में उनके कामकाज की जांच भी शुरू की थी। यूनिवर्सिटी यह पता लगा रही थी कि अर्डे को 2022 में प्रोफेसर की नौकरी कैसे मिली और उनके काम के दौरान क्या हुआ।

इस्तीफा देने के बाद अर्डे ने कहा था कि लगातार लग रहे आरोपों और उनके बारे में सार्वजनिक रूप से की जा रही टिप्पणियों का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा।

महिलाओं की आजादी छीनी, प्रेस पर पाबंदियां बढ़ीं, लोगों पर कोड़े बरसाए गए

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल पूरे

काबुल, एजेंसी

तालिबान के काबुल पर कब्जे के आज पांच साल पूरे हो गए हैं। पांच साल में अफगानिस्तान की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। तालिबान ने पूरे देश पर अपना नियंत्रण मजबूत किया और अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार आया।

लेकिन दूसरी तरफ महिलाओं के अधिकारों पर सख्त पाबंदियां लगीं, प्रेस की आजादी घटी और शारीरिक सजाएं फिर आम हो गईं।

ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2021 से नवंबर 2022 के बीच अदालतों ने कम से कम 18 मामलों में शारीरिक सजा का आदेश दिया। इनमें ज्यादातर मामले तथाकथित नैतिक अपराधों से जुड़े थे। दिसंबर 2022 में परवान प्रांत के एक स्टेडियम में भीड़ के सामने 27 लोगों को सबके सामने कोड़े मारे गए। तालिबान से पहले की अफगान सरकारों के दौर में भी शारीरिक सजा मौजूद थी, लेकिन तालिबान के शासन में इसे खुले तौर पर और नियमित रूप से लागू किया जाने लगा। अफगानिस्तान में 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया। कुछ ही घंटों में अफगान सरकार का पतन हो गया। कमर्शियल फ्लाइट्स रद्द हो गईं और हजारों लोग देश छोड़ने के लिए काबुल एयरपोर्ट पहुंच गए।





उस समय की सबसे चर्चित तस्वीरों में अमेरिकी वायुसेना के C-17 ग्लोबमास्टर विमान से लटके लोगों की तस्वीर शामिल थी। अमेरिकी सैनिकों को रनवे खाली कराने के लिए अभियान रोकना पड़ा। यह फुटेज 16 अगस्त 2021 का है।

तालिबान ने उस समय महिलाओं के अधिकार बनाए रखने और अमेरिका व पिछली अफगान सरकार के साथ काम करने वालों को माफी देने का वादा किया था।

प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा था कि लोगों को अपनी संपत्ति, जान या सम्मान को लेकर खतरा नहीं होगा। लेकिन अगले पांच साल में तस्वीर इन वादों के बिल्कुल उलट नजर आई। अफगानिस्तान अब दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां छात्राओं को औपचारिक रूप से सेकेंडरी स्कूल और यूनिवर्सिटी में पढ़ने से रोक दिया गया है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर पाबंदियां लगातार बढ़ती गईं। नौकरी करने, और सार्वजनिक जगहों पर जाने को लेकर भी कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं। UN की रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान के राज में अब तक महिलाओं के खिलाफ 100 से ज्यादा फरमान जारी हो चुके हैं।

कैम्ब्रिज के सबसे कम उम्र के ब्लैक प्रोफेसर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

लंदन, एजेंसी



कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर जेसन अर्डे अपने लंदन स्थित घर में बेसुध हालत में मृत पाए गए। 41 वर्षीय अर्डे को हाल के दिनों में तीखी जन-आलोचना और DEI (विविधता, समानता और समावेश) को बढ़ावा देने के लिए भर्ती किए जाने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा था।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को दोपहर बाद बैटरसी स्थित उनके घर पर अधिकारियों को बुलाया गया था। पुलिस ने उनकी मौत को अप्रत्याशित माना है।

अर्डे 2023 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के सबसे युवा अश्वेत प्रोफेसर बने थे। हालांकि, कैम्ब्रिज द्वारा उनकी नियुक्ति की जांच की घोषणा के बाद उन्होंने 5 अगस्त को सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर पद से इस्तीफा दे दिया था।

जेसन अर्डे पर लिवरपूल जॉन मूर्स यूनिवर्सिटी में अपनी PhD थीसिस में साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज्म) का आरोप लगा था। फरवरी में हुई आंतरिक जांच में लिवरपूल यूनिवर्सिटी ने पाया था कि साहित्यिक चोरी का आरोप साबित नहीं हुआ।

लेकिन 21 जुलाई को अमेरिकी शोधकर्ता नाथन कोफनास ने एक लेख में दावा किया कि अर्डे के 2015 के शोध-प्रबंध में पुराने काम से काफी समानता थी और उनकी नियुक्ति केवल DEI विचारधारा के तहत हुई थी। इस्तीफा देते समय अर्डे ने कहा था कि लगातार लग रहे आरोपों और सार्वजनिक टिप्पणियों ने उन पर गहरा नकारात्मक असर डाला है। उनके परिवार ने कहा, गलत जानकारी फैलाने का यह अभियान जेसन के लिए बर्दाश्त से बाहर हो गया था।

चुनौती: सर्वे में पूर्व आर्मी चीफ आइजेनकोट से पिछड़े, 2 महीने बाद चुनाव होने हैं

इजराइली पीएम नेतन्याहू को हार का खतरा

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट से बड़ी चुनौती मिलती दिख रही है। गुरुवार को सामने आए जमान इजराइल के नए सर्वे में आइजेनकोट की विपक्षी पार्टी यशार को 25 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। वहीं नेतन्याहू की लिकुड पार्टी 21 सीटों पर सिमट सकती है।

यानी यशार ने लिकुड पर 4 सीट की बढ़त बना ली है। पिछले कुछ हफ्तों के ज्यादातर सर्वे में भी यशार आगे रही है, लेकिन अंतर बहुत कम था। कई सर्वे में लिकुड बराबरी पर थी या सिर्फ 1-2 सीट पीछे थी। नए सर्वे में यह अंतर बढ़कर 4 सीट हो गया है। यशार के सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद चुनाव के बाद सरकार बनना आसान नहीं होगा। इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं और बहुमत के लिए कम से कम 61 सीटों की जरूरत होती है।



सर्वे में नेतन्याहू विरोधी दलों के 'चेंज ब्लॉक' को 58 सीटें मिलने का अनुमान है। यानी यह गठबंधन बहुमत से सिर्फ 3 सीट दूर नजर आ रहा है। दूसरी ओर नेतन्याहू के समर्थक दलों को कुल 50 सीटें मिलने का अनुमान है। अरब पार्टियों को 12 सीटें मिल सकती हैं। इनमें राम पार्टी और हदाश-ताल को 6-6 सीटें मिलने का अनुमान है। इसका मतलब है कि चुनाव से पहले किसी भी बड़े खेमे के पास सरकार बनाने लायक साफ बहुमत नहीं है। चैनल 12 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से इजराइली नेताओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों के संकेत मिले हैं। पीएम नेतन्याहू के पास सराकरी सुरक्षा है लेकिन आइजेनकोट को फिलहाल सरकारी सुरक्षा का औपचारिक अधिकार नहीं है।

आइजेनकोट बोले- सबसे बड़ी पार्टी के नेता को मौका मिलना चाहिए

आइजेनकोट की बढ़त के बीच नेतन्याहू विरोधी खेमे के विपक्षी नेता याइर लैपिड की पार्टी बीयाचद ने कहा है कि वह विपक्षी सरकार बनने के रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। लेकिन जब लैपिड से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी आइजेनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का समर्थन करेगी, तो उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया। बीयाचद में लैपिड दूसरे नंबर के नेता हैं। पार्टी का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के हाथ में है। वह खुद भी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर सामने आते रहे हैं। आइजेनकोट ने इससे पहले कहा था कि अगला प्रधानमंत्री उसी व्यक्ति को होना चाहिए जो नेतन्याहू विरोधी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी का नेता हो।

> इजराइल में जनता सीधे प्रधानमंत्री या उम्मीदवार को वोट नहीं देती। इसकी बजाय राजनीतिक पार्टी को वोट देते हैं। पूरे इजराइल को एक ही चुनाव क्षेत्र माना जाता है और वोट के हिसाब से 120 सीटों वाली संसद यानी नेसेट में पार्टियों को सीटें मिलती हैं।

इंडोनेशिया-7.7 के 17 घंटे बाद तीसरा 6.5 तीव्रता का झटका

भूकंप के बाद पीछे हटा समुद्र का पानी

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का तीसरा झटका महसूस किया गया। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था।

भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। और कई इमारतें भी गिरीं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों की ओर भागने लगे।

शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है।



अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6 बजे आया। इसका केंद्र एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर दूर समुद्र के नीचे था। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। इनमें 5.9, 5.6 और 6.1 तीव्रता के झटके शामिल थे। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज आफ्टरशॉक आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676